-: सुविचार :-

''जीवन में जो भी प्राणी भजन- सुमिरन नहीं करता उसे दुख के कांटे चुभते ही रहेंगे।''

कलम लोक

Website : www.kalamlok.com

पीएम मोदी, अमित शाह ने...

वर्ष 07 | अंक 344 | बक्सर, शुक्रवार 28 जून 2024 | पृष्ठ - 8 | मूल्य - 2 रूपये

आज संसद में नीट का मुद्दा उठाएगा विपक्ष, सरकार भी तैयार; हंगामे के पूरे आसार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस और 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' के अन्य घटक दलों ने शुक्रवार यानी आज संसद के दोनों सदनों में मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी से जुड़ी कथित अनियमितता का मुद्दा उठाने का फैसला किया है। वहीं सरकार भी विपक्ष से निपटने के लिए तैयार है। लोकसभा में नवनिर्वाचित सदस्यों के शपथ लेने के दौरान भी हंगामा देखने को मिला था। सत्तारूढ़ एनडीए के सदस्यों के शपथ लेने के दौरान कई विपक्षी सांसदों ने NEET मुद्दे पर नारे लगाए।

सूत्रों ने बताया कि विपक्षी दलों के सदस्य राज्यसभा में 267 के तहत और लोकसभा में कार्यास्थगन के नोटिस देकर नीट के मामले पर चर्चा एवं सरकार से जवाब की मांग करेंगे। सूत्रों ने यह भी बताया कि विपक्षी दल संसद में शुक्रवार से राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर शुरू हो रही चर्चा में भी भाग लेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर विपक्षी दलों के नेताओं की बैठक में यह फैसला किया गया। बैठक में खरगे के अलावा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार, तृणमूल कांग्रेस की काकोली घोष दस्तीदार, द्रमुक की कनिमोझी, शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत और कई अन्य दलों के नेता शामिल हुए। बैठक के बाद राहुल गांधी ने अपने व्हाट्सअप चैनल पर पोस्ट किया, ''आज दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नेतृत्व में 'इंडिया' जनबंधन में शामिल सभी दलों के सदन के नेताओं की बैठक में सम्मिलित हुआ। हम सभी एकजुटता के साथ सदन में जनता के मुद्दों एवं अधिकारों की लड़ाई लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' सूत्रों का कहना है कि विपक्षी दल शुक्रवार को नीट के मुद्दे को उठाएंगे और दोनों सदनों में नोटिस भी देंगे। विपक्षी दल संसद में महंगाई और 'अग्निपथ' योजना जैसे विषय भी उठा सकते हैं।

सांसद ओवैसी के घर पर फेंकी स्याही, इजरायल के समर्थन में पोस्टर चिपकाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी के घर के बाहर कुछ बदमाशों ने उनके नेम प्लेट पर कालिख पोती दी और इजरायल के समर्थन में पोस्टर चिपका दिए। इससे क्षुब्ध हैदराबाद सांसद ने दिल्ली पुलिस के साथ-सथा गृह मंत्री अमित शाह को भी निशाने पर लिया। शिकायत के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्याही साफ करने के साथ ही पोस्टर हटा दिए। एक अधिकारी ने बताया कि हमारे पहुंचने से पहले पोस्टर लगाने वाले वहां से जा चुके थे। ओवैसी ने मंगलवार को लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ लेते समय %जय फलस्तीन% कहे जाने पर अन्य सांसदों ने आपत्ति जताई थी।

ओवैसी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, कुछ अज्ञात बदमाशों ने आज मेरे घर पर काली स्याही से हमला किया। अब मैं गिनती ही भूल गया हूं कि मेरे दिल्ली स्थित आवास को कितनी बार निशाना बनाया गया। जब मैंने दिल्ली पुलिस के अधिकारियों से पूछा कि उनकी नाक के नीचे यह सब कैसे हो रहा है तो वे बेबस बनकर खड़े रहे। ओवैसी ने अपनी पोस्ट में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को टैग करते हुए कहा, आपके होते हुए ऐसा हो रहा है। कृपया हमें बताएं कि सांसदों की सुरक्षा की गारंटी होगी या नहीं। उन्होंने आगे लिखा, मेरे घर को निशाना बनाने वाले दो कौड़ी के गुंडों से कहना चाहता हूं, इससे मुझे डर नहीं लगता। सावरकर जैसी कायरतापूर्ण हरकतें बंद करो और मेरा सामना करने के लिए हिम्मत जुटाओ। स्याही फेंकने या पत्थर फेंकने के बाद भाग मत जाना। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार चार से पांच लोग नई दिल्ली स्थित 34 अशोक रोड स्थित ओवैसी के आवास पर पहुंचे और रात करीब नौ बजे घर के गेट और दीवार पर तीन पोस्टर चिपका दिए। पोस्टरों पर भारत माता की जय, मैं इजरायल के साथ हूं और ओवैसी को निलंबित किया जाना चाहिए जैसे नारे लिखे हुए थे। पुलिस ने कहा कि ऐसा करने वालों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा, टर्मिनल-1 की छत गिरी; कई कारें दबीं, 4 घायल

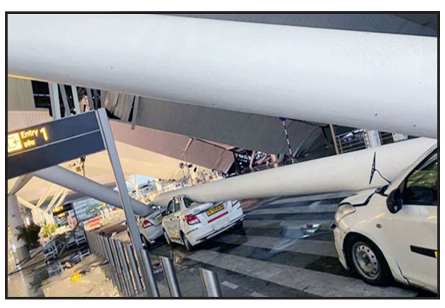

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शुक्रवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 की छत का एक हिस्सा गिर गया। जिसकी चपेट में आकर कई कारें दब गईं। हादसे में चार लोग घायल हो गए हैं। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। फिलहाल छत गिरने के कारणों का पता नहीं चला है।

दिल्ली फायर ब्रिगेट के एक अधिकारी ने बताया, सुबह करीब 5.30 बजे हमें दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर छत गिरने की सूचना मिली। दमकल की तीन गाड़ियों को मौके पर भेजा गया है। शुक्रवार को दिल्ली-एनसीआर में हुई भारी बारिश के बीच यह हादसा हुआ। इसी बीच, दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में जलभराव देखा गया। साउथ दिल्ली में गोविंदपुरी और नोएडा सेक्टर 95 में जलभराव देखने को मिला। दिल्ली की सड़कों पर पानी भर गया है। वहीं आईटीओ पर बारिश की वजह से गाड़ियां रेंगती हुई दिखी। एयरपोर्ट पर हुए हादसे की केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री खुद निगरानी कर रहे हैं। मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने एक्स पर लिखा, मैं व्यक्तिगत रूप से दिल्ली एयरपोर्ट के टी-1 पर छत गिरने की घटना की निगरानी कर रहा हूं। घटनास्थल पर बचाव दल काम कर रहे हैं। साथ ही एयरलाइनों को टी-1 पर सभी प्रभावित यात्रियों की सहायता करने की सलाह दी है। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। बचाव अभियान अभी भी जारी है।

अंतरिक्ष में अचानक टूटकर बिखर गया रूस का सैटलाइट, स्पेसक्राफ्ट में छिप गए ISS के अंतरिक्षयात्री

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

रूस का एक ऑब्जरेशन सैटलाइट अंतरिक्ष में अचानक टूटकर सैकड़ों टुकड़ों में बिखर गया। इसके मलबे से बचने के लिए इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के अंतरिक्षयात्रियों को स्पेसक्राफ्ट में शरण लेनी पड़ गई। अमेरिका के स्पेस कमांड का कहना है कि सैटलाइट के मलबे से फिलहाल किसी दूसरे सैटलाइट को नुकसान पहुंचने की आशंका नहीं है। बता दें कि रूस के इस RESURS-Pv सैटलाइट को 2022 में ही मृत घोषित कर दिया गया था।

फिलहाल इस सैटलाइट के टूटने की वजह का पता नहीं चल पाया है। वहीं इस घटना पर रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोसमोस ने भी कोई टिप्पणी नहीं की है। अमेरिका की एक स्पेस ट्रैकिंग फर्म लियोलैब्स ने देखा था कि अंतरिक्ष में अचानक मृत सैटलाइट कम से कम 100 टुकड़ों में टूट गया। अब इसके बड़े-बड़े टुकड़े पृथ्वी की कक्षा में घूम रहे हैं। पृथ्वी की कक्षा में बढ़ते सैटलाइट और फिर उनकी वजह से बढ़ने वाला मलबा चिंता का कारण बन रहा है। साल 2021 में रूस ने अपने एक सैटलाइट को एंटी सैटलाइट मिसाइल द्वारा अंतरिक्ष में ही नष्ट कर दिया था। इसके बाद पश्चिमी देशों ने रूस की कड़ी आलोचना की थी। मिसाइल से सैटलाइट को नष्ट करने के बाद इसके हजारों बड़े-बड़े टुकड़े पृथ्वी की कक्षा में फैल गए। वहीं RESURS-Pv को लेकर अभी इस तरह की बात पता नहीं चली है। रूस द्वारा किसी तरह के एंटी मिसाइल लॉन्च की खबर सामने नहीं आई है।

एक साल में भारत का तीसरा फाइनल

क्या रोहित शर्मा एंड ब्रिगेड इस बार भारतीय फैंस को देगी जश्न मनाने का मौका?

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ये दुख काहे खत्म नहीं होता बे...विकी कौशल की फिल्म मसान का ये डायलोग मानों भारतीय फैंस के जहन में बस गया है। बीते एक साल में भारतीय टीम की खिताबी मुकाबलों में हार ने भारतीय फैंस को झकझोर कर रख दिया है। फॉर्मेट बदले, वेन्यू बदले मगर टीम इंडिया की किस्मत नहीं बदली। मगर अब रोहित शर्मा एंड कंपनी ने टी20 वर्ल्ड कप फाइनल के लिए क्वालीफाई कर करोड़ों भारतीय फैंस को एक बार फिर खुशी से झूमने का मौका है। जी हां, बीते एक साल में भारत ने यह तीसरी बार किसी आईसीसी इवेंट के फाइनल में अपनी जगह बनाई है। पहले दो बार तो भारत चोक कर चुका है, मगर इस बार उनके पास खिताब जीतने का सुनहरा मौका है।

टीम इंडिया ने बीत एक साल में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप, वनडे वर्ल्डकप 2023 और अब टी20 वर्ल्डकप 2024 के फाइनल में जगह बनाई है। कप्तान रोहित शर्मा को इसका पूरा-पूरा क्रेडिट जाता है। वह केन विलियमसन के बाद वर्ल्ड क्रिकेट के ऐसे मात्र दूसरे कप्तान बने हैं जिन्होंने इन तीनों फॉर्मेट में अपनी टीम को क्वालीफाई कराया है। हालांकि केन विलियमसन रोहित शर्मा से एक कदम आगे हैं।

अजित पवार को बाहर कीजिए; BJP नेता ने रख दी डिमांड

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे जिले में शिरूर से भारतीय जनता पार्टी के एक पदाधिकारी ने सत्तारूढ़ गठबंधन से उपमुख्यमंत्री अजित पवार और उनकी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) को बाहर करने की मांग की। सत्तारूढ़ गठबंधन में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना भी शामिल है। भाजपा की शिरूर तहसील के उपाध्यक्ष सुदर्शन चौधरी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुआ है, जिसमें वह पार्टी की एक बैठक में यह मांग करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

वीडियो के सामने आने पर राकांपा कार्यकर्ताओं में आक्रोश पैदा हो गया और उन्होंने गुरुवार को भाजपा नेता से माफी की मांग की। चौधरी वीडियो में भाजपा नेतृत्व से कह रहे हैं, आपके लिए यह सुझाव है। पार्टी कार्यकर्ता क्या सोच रहे हैं उसे समझिये। अगर आप कोई फैसला लेना चाहते हैं तो महायुति (सत्तारूढ़ गठबंधन) से अजित पवार को बाहर करिये।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर अजित पवार सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा नहीं होते तो सुभाष देशमुख, राहुल कुलकर्णी और योगेश तिलेकर जैसे वरिष्ठ नेता मंत्री बन सकते थे और अन्य को सरकारी निगमों का प्रमुख बनाया जा सकता था। सुभाष देशमुख, राहुल कुलकर्णी और योगेश तिलेकर बैठक में मौजूद थे। चौधरी ने दावा किया कि भाजपा पिछले 10 वर्षों से पवार की आलोचना करती आ रही थी लेकिन राज्य में कार्यकर्ता अब भयभीत महसूस कर रहे हैं क्योंकि उपमुख्यमंत्री ही मामलों की कमान संभाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि तहसील में सभी भाजपा कार्यकर्ताओं की इच्छा है कि उन्हें ऐसी शक्तियां नहीं चाहिए, जिसमें अजित पवार का हस्तक्षेप हो। चौधरी ने वीडियो में कहा, अजित पवार को सत्ता में क्यों लाया जाये, ताकि वह आदेश जारी कर भाजपा कार्यकर्ताओं की आवाज को दबा सकें। चौधरी ने शिरूर में हुई समीक्षा बैठक के दौरान मुद्दे पर संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपनी मंशा जाहिर कर दी है।

इसबीच, जब चौधरी संवाददाताओं को संबोधित कर रहे थे तभी राकांपा के कुछ कार्यकर्ता यहां कृषि उपज बाजार समिति परिसर पहुंचे और उनके खिलाफ नारेबाजी करने लगे। राकांपा कार्यकर्ताओं ने चौधरी से उपमुख्यमंत्री के खिलाफ दिये बयान पर माफी मांगने को कहा। चौधरी ने बाद में स्पष्ट किया कि उनके विचार निजी थे और इसका भाजपा के रुख से कोई संबंध नहीं है।

उन्होंने इस मुद्दे पर हंगामा करने वाले रांकपा कार्यकर्ताओं की आलोचना करते हुए कहा, अगर मेरे शब्दों से अजित दादा को ठेस पहुंची है तो मैं माफी मांगता हूं।% सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में चौधरी ने उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस को टैग करते हुए कहा कि वह जनता की भावनाओं को व्यक्त कर रहे थे और बाद में उन्हें राकांपा के गुंडों द्वारा धमकी दी गई। उन्होंने फडणवीस से पुलिस सुरक्षा देने का अनुरोध किया क्योंकि उन्हें उनकी जान का खतरा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वायरल वीडियो में भाजपा नेता को कहते हुए सुना जा सकता है, भाजपा कार्यकर्ता आगामी विधानसभा चुनाव में अजित पवार के साथ गठबंधन के बजाए सत्ता से बाहर होना पसंद करेंगे।

मुश्किल में बीएस येदियुरप्पा, अदालत में आरोप पत्र दायर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ छेड़छाड़ के आरोपों की जांच कर रहे अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने गुरुवार को POCSO मामलों को देखने वाली विशेष अदालत में आरोप पत्र दायर किया। सदाशिवनगर पुलिस ने इस साल मार्च में वरिष्ठ भाजपा नेता के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया था। इसके बाद, कर्नाटक के पुलिस महानिदेशक आलोक मोहन ने मामले को आगे की जांच के लिए सीआईडी को स्थानांतरित करने का आदेश जारी किया। यह मामला 17 वर्षीय लड़की की मां द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत से उत्पन्न हुआ, जिसने आरोप लगाया कि येदियुरप्पा ने 2 फरवरी को अपने आवास पर एक बैठक के दौरान उनकी बेटी से छेड़छाड़ की।

तुम बीच में क्यों कूद रहे हो? NEET को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कोचिंग सेंटर को लगा दी फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। NEET-UG पेपर लीक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने प्राइवेट कोचिंग सेंटर को फटकार लगाते हुए कहा है कि इस मामले में उन्हें कूदने की जरूरत नहीं है। कोचिंग सेंटर ने अपनी याचिका में कहा था कि ओएमआर के इवैलुएशन को लेकर एनटीए ने शिकायतों के निवारण करने का कोई सिस्टम नहीं बनाया था। वहीं जस्टिस मनोज मिश्रा और एसवीएन भट्टी की वैकेशन बेंच ने कहा कि कोचिंग सेंटर का कौन सा मौलिक अधिकार छिन गया जिसकी वजह से आर्टिकल 32 के तहत याचिका फाइल की गई है।

बेंच ने कहा, आप कोचिंग इंस्टिट्यूट हैं। आप आर्टिकल 32 के तहत कैसे याचिका फाइल कर सकते हैं? वहीं कोचिंग सेंटर की तरफ से सीनियर वकील आर बसंत ने कहा, अगर कोर्ट कोचिंग सेंटर की याचिका नहीं भी मानता है तो दूसरे चार स्टूडेंट्स ने भी ओएमआर शीट में कमियों को लेकर याचिका फाइल की है। वहीं एनटीए ने शिकायत निवारण का कोई विकल्प ही नहीं दिया है।

एनटीए के वकील वर्धमान कौशिक ने कहा, नीट-यूजी में हुई गड़बड़ियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहले से ही सख्त है और 8 जुलाई को सुनवाई करने की तारीख सुनिश्चित की है। छुट्टियों के बाद पहले दिन के कामकाज के दौरान ही इस मामले की सुनवाई होनी है। कोर्ट ने एनटीए से कहा है कि वह ओएमआर शीट्स के इवैलुएशन को लेकर शियाकतों के निवारण से संबंधित जवाब दे। हालांकि कोर्ट ने छात्रों के साथ कोचिंग सेंटर के इस मामले में कूदने को लेकर कड़ी आपत्ति जाहिर की।

बेंच ने कहा, हम देख रहे हैं कि कोचिंग सेंटर इस मामले में उकसाने और अपने पीछे भीड़ इकट्ठी करने का काम कर रहा है। इस मामले में उनकी कोई भूमिका नहीं है। कोचिंग खत्म होने के साथ ही आपका काम पूरा हो गया। आपने कोचिंग पढ़ा ली और मामला खत्म हो गया। वहीं एनटीए के वकील ने सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले से संबंधित डीटेल वेबसाइट पर अपलोड की गई है। शीर्ष न्यायालय ने कहा कि 8 जुलाई को जिन याचिकाओं की सुनवाई होनी है उनके साथ ही एनटीए अपना जवाब टैग करे।

हां, सोशल मीडिया में एक समस्या है

जेसीआई चंद्रचूड़ ने कही बड़ी बात; बोले- अक्सर हम शिकार...

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने सोशल मीडिया को लेकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि हां, सोशल मीडिया में एक समस्या है, क्योंकि यहां हर नागरिक एक पत्रकार है, जिसके पास एक नजरिया है। इसका अक्सर हम (जज) शिकार होते हैं और अक्सर हम देखते हैं कि हमने जो नहीं कहा है, उसके बारे में कमेंट किए जाते हैं, मैं कहता हूं कि हमने ऐसा कभी नहीं कहा या हमारी गलत व्याख्या की गई है।

लाइव लॉ के अनुसार, सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, क्या सोशल मीडिया हमारे नियंत्रण में है? हम ऐसे समाज में रह रहे हैं जहां बहुत कुछ हमारे नियंत्रण से परे है। मेरा हमेशा से मानना है कि अच्छाई की शक्ति बुराई की शक्ति पर हावी होती है। इसलिए, तकनीक के विपरीत पक्षों और कभी-कभी न्यायाधीशों की अनुचित आलोचना के बावजूद, कुल मिलाकर, प्रौद्योगिकी हमें लोगों तक पहुंचने और उन्हें यह समझाने की अनुमति देती है कि हम आम लोगों की समस्याओं को कितनी गंभीरता से देखते हैं। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने यह भी कहा कि हम कुछ मौकों पर आलोचना का शिकार होते हैं। कभी-कभी आलोचना उचित होती है, लेकिन कभी-कभी आलोचना गलत होती है, लेकिन मेरा मानना है कि न्यायाधीशों के रूप में हमारे कंधे इतने चौड़े हैं कि हम लोगों द्वारा हमारे काम की आलोचना को स्वीकार कर सकें।

शिवराज सिंह चौहान बदलेंगे रिवाज

राज्यों के कृषि मंत्रियों को बुलाया, मोदी सरकार में पहली बार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के नए कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान राज्य के कृषि मंत्रियों से मुलाकात करने जा रहे हैं। खबर है कि बैठकों का दौर 1 जुलाई से शुरू हो सकता है। हालांकि, इसे लेकर केंद्र सरकार की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। खास बात है कि एनडीए सरकार के बीते दो कार्यकालों में पहली बार राज्य के मंत्रियों के साथ ऐसी परामर्श बैठकें नहीं हुई हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, चौहान सबसे पहले छत्तीसगढ़ और असम के मंत्रियों के साथ बैठकें करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, ऐसा पता चला है कि कृषि मंत्रालय ने राज्य के मंत्रियों को पत्र लिखकर बातचीत के लिए बुलाया है। सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि साथ ही उन्हें पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन तैयार करने और संबंधित राज्यों में किसानों और खेती की स्थिति पर अपने विचार रखने के लिए कहा गया है।

अखबार से बातचीत में छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने कहा कि वह राज्य सरकार की तरफ से लागू की गईं केंद्र की योजनाओं के तहत यूनिट कॉस्ट में संशोधन की मांग को रखेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार बाजरा की खेती के प्रचार, सिंचाई से जुड़े मुद्दे और उत्पादन के लिए कोल्ड चेन स्टोरेज जैसे मुद्दों पर सरकार की तरफ से समर्थन की मांग करेगी। चौहान ने पहले कहा था कि वह हितधारकों और राज्य के मंत्रियों से बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा था, मुझे इस बात पर गर्व या अहंकार नहीं है कि मैं सब जानता हूं या मेरे दफ्तर में बैठे IAS अधिकारी सब जानते हैं। मैं ज्ञान के लिए प्यासा हूं। खेती और किसानों के लिए जहां से भी संभव हो, मैं सबसे अच्छी जानकारी चाहता हूं। खास बात है कि वह NITI आयोग के सदस्य रमेश चंद के साथ-साथ पूर्व कृषि सचिव संजय अग्रवाल से भी मिल चुके हैं।

अग्रवाल न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी MSP को लेकर बने 26 सदस्यीय पैनल की अगुवाई कर रहे हैं। ये पैनल तीन कृषि कानूनों के वापस लिए जाने के बाद गठित किया गया था। 21 जून को चौहान ने मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात, बिहार, कर्नाटक और तेलंगाना के कृषि मंत्रियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत भी की थी।

पटना एम्स के संविदा स्टाफ ने दी अनशन की चेतावनी; मांगें नहीं मानी, तो सामूहिक इस्तीफा, जानिए क्या है मामला?

पटना (संवाददाता)।

पटना एम्स के 650 से ज्यादा संविदाकर्मियों ने वेतन कटौती के विरोध में सोमवार से भूख हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है। और इसके बाद भी अगर मांगे पूरी नहीं हुईं तो सामूहिक इस्तीफे के बाद कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। आपको बता दें सभी संविदाकर्मी दिल्ली की बेदी एंड बेदी एसोसिएट्स फर्म का कॉन्ट्रैक्ट स्टाफ है। जिसरा अनुबंध पटना एम्स से 20 जून को खत्म हो गया था। जिसके बाद संविधाकर्मियों को सहानुभूति के आधार पर अब दो अन्य आउटसोर्स प्लेसमेंट फर्मों में समायोजित किया गया है। वहीं इस मामले पर एक नर्सिंग अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि हम एम्स, पटना के कार्यकारी निदेशक से अनुरोध करेंगे कि हमारा पारिश्रमिक कम न किया जाए। अगर एम्स हमारा वेतन पांच साल पहले की तुलना में कम करने के लिए प्रतिबद्ध है, तो हम जानना चाहेंगे, कि वह ऐसा किस प्रावधान या किस मजबूरी के तहत कर रहा है।

मई 2016 में जब बेदी एंड बेदी एसोसिएट्स ने एम्स के लिए शुरुआत में अनुबंध की पेशकश की थी, तब 662 कर्मियों में से 416 नर्सिंग अधिकारी अनुबंध पर थे। नर्सिंग अधिकारियों को पिछली बार 50 हजार का मासिक पारिश्रमिक दिया गया था, जिसे अब एचएलएल इंफ्रा टेक सर्विसेज लिमिटेड के सब कॉन्ट्रैक्टर संपूर्ण एंटरप्राइजेज लिमिटेड के साथ अनुबंध कर35 हजार किए जाने की संभावना है।

एम्स ने संपूर्णा एंटरप्राइजेज द्वारा नए सिरे से काम पर लेने के लिए बेदी एंड बेदी एसोसिएट्स के लगभग 516 बर्खास्त कर्मचारियों की एक सूची तैयार की थी। जो लोग सूची में नहीं थे वे इस बात से परेशान थे कि एम्स, जिसने कोरोनोवायरस महामारी के दौरान उनसे सेवाएं ली थीं, अब उन्हें बेसहारा छोड़ दिया गया है। इस मामले पर एक तकनीकी अधिकारी ने बताया कि हम 35 वर्ष की आयु सीमा पार कर चुके हैं और अब नियमित नियुक्ति के लिए आवेदन करने के पात्र नहीं हैं।

एम्स, जिसने महामारी के दौरान कोरोना योद्धा के रूप में हमारे योगदान को स्वीकार किया था। उसने हमारी सेवाओं को बंद करने से पहले एक बार भी सोचा नहीं। हमें उम्मीद है कि संस्थान के पदाधिकारियों में अच्छी समझ बनी रहेगी और वे हमें अपने लिए काम करने वाली अन्य कंपनियों में शामिल कर लेंगे।

वहीं पटना एम्स ने तमाम विभागों के प्रमुखों (एचओडी) से एम्स द्वारा नियुक्त दो अन्य प्लेसमेंट फर्मों, संपूर्ण एंटरप्राइजेज और कॉरपोरेट हेल्थ सर्विसेज (सीएचएस) में बेदी एंड बेदी एसोसिएट्स के हटाए गए कर्मचारियों को बनाए रखने के लिए ग्रेड के साथ अपनी सिफारिश देने के लिए कहा था। एचओडी की सिफारिश के आधार पर, एम्स प्रशासन ने उन कर्मचारियों की एक सूची तैयार की थी, जिनकी सेवाएं संपूर्ण एंटरप्राइजेज या सीएचएस को ट्रांसफर की जानी थीं। इस मामले पर बेदी एंड बेदी एसोसिएट्स के राजीव कुमार ने कहा, एम्स-पटना के साथ हमारा अनुबंध 20 जून को समाप्त हो गया। हमने अपने सभी कर्मियों को एक महीने पहले ही इसके बारे में सूचित कर दिया था। एम्स-पटना ने हमें 11 महीने का शुरुआती अनुबंध दिया था, जिसे पहली बार छह महीने के लिए बढ़ा दिया गया था। बाद में, हमें हर बार तीन महीने का विस्तार मिलता रहा, जब तक कि मई में एम्स ने हमें 20 जून के बाद हमारे अनुबंध की समाप्ति के बारे में सूचित नहीं कर दिया। अधिकारियों ने कहा कि बेदी और बेदी एसोसिएट्स तीन महीने के लिए अनुबंध का अल्पकालिक नवीनीकरण करने के खिलाफ थे और उन्होंने एम्स के साथ अपना जुड़ाव तोड़ दिया था।

वहीं इस मामले पर एम्स के डॉ. पाल ने बताया कि बेदी और बेदी एसोसिएट्स स्वेच्छा से अपनी तरफ से हट गए हैं। पटना एम्स में इसके सभी आउटसोर्स कर्मचारियों की नियुक्ति समाप्त हो गई है। हालांकि, एक अंतरिम व्यवस्था के रूप में, एम्स पटना ने सहानुभूतिपूर्ण आधार पर उन्हें संस्थान की मौजूदा दो आउटसोर्सिंग एजेंसियों, HITES और CHS के साथ समायोजित करने की व्यवस्था की है। हालांकि, वे वेतन सुरक्षा के हकदार नहीं हैं, जो केवल संस्थान के नियमित कर्मचारियों को दिया जाता है।

नीट पेपर लीक के सरगना तक पहुंचाएंगे चिंटू और मुकेश! सीबीआई ने शुरू की मैराथन पूछताछ

पटना (संवाददाता)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गुरुवार को नीट पेपर लीक मामले के दो आरोपियों चिंटू और मुकेश को रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। जांच एजेंसी ने बुधवार को दोनों का रिमांड अदालत से प्राप्त किया था। सीबीआई की टीम गुरुवार को सुबह करीब 11 बजे बेऊर जेल पहुंची और दोनों को लेकर पटना स्थित अपने कार्यालय पहुंची।

इसके बाद पटना के शास्त्रीनगर स्थित लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में जाकर इन दोनों की मेडिकल जांच कराई गई। फिर इन्हें लेकर कार्यालय पहुंची और पूछताछ की प्रक्रिया शुरू कर दी। इन दोनों को सात दिनों के रिमांड पर लिया गया है, जिसकी अवधि 4 जुलाई को पूरी होगी। इन दोनों को रिमांड पर लेने का मुख्य मकसद नीट पेपर लीक के सेटरों के सरगना तक पहुंचना है। चिंटू ही वह शख्स है, जिसके व्हाट्सएप नंबर पर सबसे पहले प्रश्न-पत्र उत्तर के साथ पीडीएफ फॉर्मेट में रांची के रॉकी ने भेजा था। सीबीआई पूछताछ के दौरान चिंटू से रॉकी और इसके ऊपर के सरगना अतुल वत्स एवं अंशुल सिंह के बारे में जानकारी लेगी। चिंटू, संजीव मुखिया की भांजी का पति है। इस वजह से चिंटू से संजीव से जुड़ी सभी बातें और इस सेटिंग के धंधे में उसकी भूमिका के बारे में जानकारी ली जाएगी।

बिहार और झारखंड के अलावा इसके दूसरे राज्यों से जुड़े तार के बारे में भी विस्तार से पूछताछ होगी। दूसरे राज्यों खासकर यूपी, गुजरात, राजस्थान समेत अन्य राज्यों के माफियाओं से उसके ताल्लुक के बारे में भी जानकारी प्राप्त की जाएगी। नीट पेपर लीक मामले में यूपी के रवि अत्री गिरोह की संलिप्तता भी सामने आ रही है।

पटना समेत आधे बिहार में झमाझम बारिश; गर्मी हुई छूमंतर, इन जिलों में भी मॉनसून पकड़ रहा रफ्तार

पटना (संवाददाता)। मानसून ने गुरुवार को पटना और वैशाली में दस्तक दी। इसके साथ ही राज्य के 18 जिलों में मानसून पहुंच गया है। प्रदेश में मानसून के प्रसार की परिस्थितियां धीरे-धीरे अनुकूल बन रही हैं। मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को पटना और वैशाली में मानसून के प्रसार के साथ राज्य के 11 जिलों के 30 स्थानों पर झमाझम बारिश हुई।

शुक्रवार को पटना सहित 19 जिला में गरज व चमक के साथ हल्की बारिश का मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। बिहार में 20 जून को मानसून किशनगंज और पूर्णिया के रास्ते प्रवेश करते हुए 14 जिलों में फैला था। इसके बाद मानसून कमजोर पड़ गया, लेकिन 24 जून को एक बार फिर सक्रिय होकर आगे बढ़ाने लगा। मौसम विभाग के अनुसार मानसून का प्रसार अब तक किशनगंज, पूर्णिया, भागलपुर, कटिहार, अररिया, मधेपुरा, सुपौल, मधुबनी, दरभंगा, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, शिवहर, गोपालगंज, सारण, पटना और वैशाली में हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार पटना, पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सुपौल, मुजफ्फरपुर, किशनगंज, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, वैशाली जिलों की 30 जगहों पर 108.2 से 27.2 मिलीमीटर के बीच बारिश हुई।

इन जिलों में शुक्रवार को हल्की बारिश का अलर्ट : मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को पश्चिमी चंपारण पूर्वी, चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, बक्सर, आरा, पटना, बेगूसराय, अरवल, जहानाबाद, नालंदा, लखीसराय, शेखपुरा, नवादा, गया, औरंगाबाद, रोहतास, कैमूर में गरज व चमक के साथ हल्की बारिश होने के आसार हैं।

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में मानसून के आगे बढ़ाने की परिस्थितियां धीरे-धीरे अनुकूल बन रही है। उम्मीद है कि रविवार तक बिहार के शेष भाग में भी मानसून का प्रसार हो जाएगा। प्रदेश के बांका, जमुई, नवादा, गया, औरंगाबाद, रोहतास, कैमूर, बक्सर, आरा, अरवल, जहानाबाद, नालंदा, शेखपुरा, लखीसराय, मुंगेर, बेगूसराय, सहरसा, खगड़िया, समस्तीपुर, सीवान जिलों में अब तक मानसून का प्रसार नहीं हुआ है।

पटना में गुरुवार को मानसून के प्रवेश करते ही झमाझम बारिश हुई। सुबह से ही बादल मंडराने लगे थे, लेकिन दोपहर में पहले हल्की फिर झमाझम बारिश होने लगी।

बारिश से लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को भी पटना में गरज और चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। मानसून की पहली बारिश का जहां लोग भींगकर आनंद उठाते दिखे, वहीं शहर के कई इलाकों में जलजमाव का भी सामना करना पड़ा। राजधानी में गुरुवार को 43 मिमी बारिश हुई।

बिहार स्वास्थ्य विभाग में 4500 पदों पर बहाली

आवेदन से लेकर वेतन की जानें पूरी डिटेल

पटना (संवाददाता)।

स्वास्थ्य विभाग ने हेल्थ सब सेंटर और हेल्थ वेलनेस सेंटरों में 4500 कम्युनिटी हेल्थ अफसर के लिए बहाली निकाली है। इसके लिए बीएससी नर्सिंग पास अभ्यर्थी 1 जुलाई से 21 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। नियुक्ति संविदा (कांट्रैक्ट) के आधार पर होगी। प्रति माह 32 हजार वेतन और 8 हजार रुपए इंसेंस्टिव सहित 40 हजार रुपए मिलेंगे। राज्य स्वास्थ्य समिति की वेबसाइट shs.bihar.gov.in पर आवेदन भरने का विस्तृत ब्योरा उपलब्ध है।

इसके पहले इस पद के लिए राज्य स्वास्थ्य समिति ने 9 मार्च को बहाली निकाली थी। लेकिन 12 मार्च को अपरिहार्य कारण बताते हुए इसे रद्द कर दी गई थी। अब जारी की गई बहाली में भी विभिन्न वर्गों की रिक्तियों में कोई बदलाव नहीं है। अनारक्षित कोटि में इस बार भी रिक्ति नहीं होने के कारण एक बार फिर यह मुद्दा उठ सकता है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग के अनुसार रिक्तियां रोस्टर के अनुसार ही निकाली गई हैं। अनारक्षित कोटि में पहले से सभी पद भरे हुए हैं, इसलिए इस श्रेणी में रिक्ति नहीं हैं। ये रिक्तियां बैकलॉग की हैं। इस बहाली में 65 प्रतिशत आरक्षण का पेच अब भी है। स्वास्थ्य विभाग सामान्य प्रशासन से निर्देश के अनुसार आगे निर्णय लेगा। अनारक्षित कोटि में पुरुष और महिला अभ्यर्थी के लिए एक भी पद नहीं है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग में 145 और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं के लिए 78 पद हैं। सबसे अधिक अत्यंत पिछड़ा वर्ग के लिए 1345 है, जबकि इसी वर्ग की महिलाओं के लिए 331 पद हैं। अनुसूचित जाति के लिए भी 1279 पद हैं, जबकि इसी वर्ग की महिलाओं के लिए 230 पद हैं।

आवेदन करने वालों की न्यूनतम आयु 21 वर्ष होनी चाहिए। अधिकतम उम्र सीमा अलग-अलग कोटि के लिए अलग-अलग है। अनारक्षित और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए अधिकतम उम्र 42 वर्ष है। अनारक्षित और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं के लिए 45 वर्ष है। पिछड़ा और अतिपिछड़ा वर्ग की महिला और पुरुष के लिए 45 वर्ष अधिकतम उम्र है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए अधिकतम उम्र सीमा 47 वर्ष है। दिव्यांग अभ्यर्थियों को उम्र सीमा में अधिकतम 10 वर्ष की छूट का प्रावधान किया गया है। साथ ही स्वास्थ्य विभाग से जुड़े कर्मियों को भी आवेदन में 5 वर्ष तक की छूट दी गई है।

NDA छोड़ इंडिया गठबंधन में आएंगे नीतीश

आरजेडी विधायक भाई वीरेंद्र के दावे से गर्मायी सियासत

पटना (संवाददाता)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले बिहार की सियासत में दावों और वादों की बयानबाजी तेज हो गई है। आरजेडी विधायक भाई वीरेंद्र के एक बयान ने बिहार की सियासत का पारा हाई कर दिया है। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द नीतीश कुमार एनडीए छोड़कर इंडिया गठबंधन में शामिल होंगे। और फिर बिहार में बीजेपी नाम की कोई चीज नहीं रह जाएगी।

राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा कि अगर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भाजपा को छोड़ें देंगे तो बिहार में उनका सूपड़ा साफ हो जाएगा। और आने वाले वक्त में नीतीश कुमार इंडिया अलायंस के साथ होंगे। आरजेडी

विधायक ने भाजपा के नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ संजय पासवान के उस बयान का भी समर्थन किया। पासवान ने कहा था कि अगर नीतीश कुमार साथ नहीं होते तो भारतीय जनता पार्टी बिहार में जीरो पर आउट हो जाती। भाई वीरेंद्र ने कहा कि संजय पासवान अच्छे आदम हैं। अच्छे विचार के लोग हैं। अच्छे लोगों को सच बोलने की आदत होती है। इसलिए वो बोल दिए कि अगर नीतीश कुमार नहीं होते तो बिहार में बीजेपी का सूपड़ा साफ हो जाता।

दरअसल संजय पासवान ने एक कार्यक्रम में कहा था कि मुझे कहने में कोई गुरेज नहीं है, कि अगर नीतीश जी साथ नहीं होते तो बीजेपी जीरो पर आउट हो जाती। यह कहने में थोड़ा अटपटा लगता है लेकिन सच्चाई है। इन दिनों बिहार में ताकत का ध्रुवीकरण हुआ है। राज्य में एक ताकत तेजस्वी के साथ गई है तो दूसरी ताकत समूह के नेता नीतीश कुमार बन गए हैं इसमें कोई शक नहीं है। जातियों का जुटान हो रहा है। फिलहाल भाई वीरेंद्र के इस दावे से फिर से चर्चा का बाजार गर्म हो गया है। आपको बता दें जब नीतीश कुमार महागठबंधन का साथ छोड़ कर एनडीए के साथ सरकार बनाई थी। तब नीतीश कुमार को पलटूराम कहा था।

सक्षमता परीक्षा पास करिए या नौकरी छोड़ दीजिए, बिहार के नियोजित शिक्षकों को सुप्रीम कोर्ट से झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के सरकारी स्कूल में पढ़ाने वाले नियोजित शिक्षकों को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया है कि सरकार के नियमों के अनुसार नियोजित शिक्षकों को सक्षमता परीक्षा देनी होगी। अगर वह नियमों के अनुसार नहीं चलते हैं तो उन्हें नौकरी छोड़ देनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार के प्रारंभिक शिक्षक संघों द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें सक्षमता परीक्षा को रद्द करने की मांग की गई थी। इससे पहले अप्रैल में पटना हाईकोर्ट से भी इस तरह की मांग खारिज की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीवी नागरत्ना और उज्जल भूयान की वैकेशन बेंच ने गुरुवार को परिवर्तनकारी प्रारंभिक शिक्षक संघ और बिहार प्रारंभिक शिक्षक संघ की याचिका पर सुनवाई की। इस याचिका में संघों की ओर से बिहार शिक्षक नियमावली 2023 का विरोध जताया। नियमावली के मुताबिक नियोजित शिक्षकों को अगर राज्यकर्मी का दर्जा प्राप्त करना है तो उन्हें सक्षमता परीक्षा पास करनी होगी। बता दें कि बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (बीएसईबी) की ओर से सक्षमता परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। याचिका पर सुनवाई करते हुए बेंच ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र के निर्माण में मदद करते हैं। ऐसे में उन्हें अपने कौशल को बेहतर बनाने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। अदालत ने कहा, हम देशभर और खासकर बिहार के बच्चों के शिक्षा के प्रति गंभीर हैं। अगर कोई शिक्षक नियम के अनुसार नहीं चलना चाहते है तो उसे इस्तीफा दे देना चाहिए। अगर कोई शिक्षक बच्चों के हित में सेवा देना चाहते हैं तो उन्हें सक्षमता परीक्षा देनी ही होगी।

दूसरी ओर, बिहार सरकार ने पहले ही स्पष्ट किया है कि सक्षमता परीक्षा पूरी तरह वैकल्पिक है। इसे पास करने वाले नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा, बीपीएससी टीचरों के समान वेतन और अन्य सुविधाएं मिलेंगी। हालांकि, जो शिक्षक सक्षमता परीक्षा नहीं देना चाहते हैं, उन्हें सरकार नौकरी से नहीं निकालेगी। इससे पहले बिहार के नियोजित शिक्षकों ने पटना हाईकोर्ट में सरकार की नई नियमावली को चुनौती दी थी। हालांकि, वहां भी अदालत ने उनकी मांग को खारिज कर दिया। इसके बाद नियोजित शिक्षकों ने शीर्ष अदालत का रुख किया। नियोजित शिक्षकों की याचिका को खारिज करते हुए अदालत ने गुरुवार को कहा कि अगर सरकार शिक्षकों को बेहतर बनाने के लिए कोई कदम उठा रही है तो उसका समर्थन करना चाहिए।

खबर-खास

पुलिसकर्मी को अस्पताल के सुरक्षाकर्मियों ने धुना, जमकर बरसाए थप्पड़

आरा (संवाददाता)। बिहार के आरा जिले के सदर अस्पताल में उस वक्त हंगामा मच गया। जब अस्पतला के प्राइवेट सिक्योरिटी गार्डों ने पुलिसकर्मी पर हमला बोल दिया। किसी बात को लेकर हुए विवाद में नौबत मारपीट तक पहुंच हुई। और इस दौरान गुस्साए अस्पताल के सुरक्षार्मियों ने पुलिसकर्मी पर घूंसे और छप्पड़ बरसा दिए। साथ ही डंडे से भी वार किए। अस्पताल में मारपीट की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वीडियो में आप देख सकते हैं कि वर्दी पहने प्राइवेट गार्ड बिहार पुलिस के सिपाही पर बेकाबू होकर हमला कर रहे हैं। और थप्पड़ और घूंसे बरसा रहे हैं। वहीं एक गार्ड डंडे से वार कर रहा है। इस दौरान अस्पताल प्रशासन के लोगों ने सिपाही को बचाने की कोशिश की। लेकिन सुरक्षाकर्मी उसे मारने पर उतारू थे। हालांकि किसी तरह सिपाही को वहां मौजूद लोग बचाकर दूसरी जगह ले गए। वहीं वायरल हो रहे वीडियो का संज्ञान लेते हुए आरा के एसपी ने बताया कि इस मामले में अस्पताल के सभी 5 सुरक्षाकर्मियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जो सिपाही पर हमले में शामिल थे। उन्होने कहा कि डायल 112 के पुलिसकर्मी किसी घायल व्यक्ति को अस्पताल ले गए थे। और प्रक्रिया पूरे करने के दौरान सुरक्षाकर्मियों से बहस हो गई थी। जिसके बाद सिपाही पर हमला कर दिया गया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जा रही है। मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पेपर लीक के खिलाफ कानून लाएगी नीतीश सरकार : सम्राट चौधरी

पटना (संवाददाता)। बिहार की नीतीश सरकार पेपर लीक के खिलाफ सख्त कानून लाने जा रही है। राज्य के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। इस संबंध में विभागीय स्तर पर तैयारी भी शुरू हो गई है। बताया जा रहा है कि बिहार विधानसभा के आगामी मॉनसून सत्र में पेपर लीक पर बिल सदन में चर्चा के लिए पेश किया जा सकता है।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार को कहा कि पेपर लीक मामले पर केंद्र सरकार ने कड़ा कानून बनाया है। बिहार में भी इस तर्ज पर सख्त कानून बनाया जाएगा। इससे पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी इस संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए थे। इसके बाद संबंधित विभाग इसका ड्राफ्ट तैयार करने में जुट गया। बता दें कि बिहार में बीते कुछ सालों में पेपर लीक और परीक्षाओं में धांधली की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। हाल ही में नीट पेपर लीक मामले में बिहार प्रमुख केंद्र रहा है। इससे पहले बीपीएससी की शिक्षक बहाली परीक्षा का पेपर भी लीक हुआ था, जिसके बाद यह परीक्षा रद्द कर दी गई थी।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश सरकार राज्य के विभिन्न विभागों में खाली पड़े करीब पौने पांच लाख पदों को भरने की तैयारी में है। ऐसे में आने वाले एक साल में बड़ी संख्या में सरकारी भर्ती निकलेगी। अधिकतर पदों पर प्रतियोगी परीक्षा के जरिए ही नियुक्ति की जाएगी। ऐसे में पेपर लीक और एग्जाम में धांधली की आशंका नीतीश सरकार के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार जल्द से जल्द पेपर लीक के खिलाफ कड़ा कानून लाने की तैयारी में है।

पीएम मोदी ने जेडीयू के सांसदों से की मुलाकात,इन मुद्दों पर की चर्चा

पटना (संवाददाता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज संसद भवन में नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू के सांसदों से मुलाकात की। इस दौरान जदयू सांसद ललन सिंह, लवली आनंद समेत अन्य सांद मौजूद रहे। इस दौरान बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व हो रहे विकास को लेकर विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा हुई। जनता दल यूनाइटेड के सांसदों ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अपनी पूरी निष्ठा से समर्पित रहने के संकल्प को दोहराया।

आपको बता दें लोकसभा और राज्यसभा का संयुक्त सत्र हुआ है। जिसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संबोधित किया। सत्र के समाप्त होने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने एनडीए के सहयोगी दल, जेडीयू के सांसदों से मुलाकात की है। साथ ही एक्स पर पोस्ट करके मुलाकात की जानकारी भी दी। पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व की तारीफ करते हुए लिखा कि जेडीयू के सांसदों के साथ बैठक बहुत अच्छी रही। हमारी पार्टियों का साथ मिलकर काम करने और बिहार में खराब शासन, भ्रष्टाचार और अपराधीकरण के खिलाफ संघर्ष करने का लंबा इतिहास रहा है। नीतीश कुमार जी के नेतृत्व ने बिहार को विकास के पथ पर अग्रसर किया है। हम सुशासन के लिए मिलकर काम करते रहेंगे।

आपको बता दें बिहार में लोकसभा चुनाव बीजेपी और जेडीयू ने साथ मिलकर लड़ा था। जेडीयू के 12 और बीजेपी के भी 12 सांसद जीतकर आए थे। एनडीए गठबंधन में नीतीश की पार्टी जेडीयू तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है। दूसरे नंबर पर टीडीपी है। जिसके 16 सांसद है। केंद्रीय मंत्रिमंडल में जेडीयी के दो सांसद मंत्री बने हैं।

अयोध्या धाम श्री रामलला दर्शन के लिए 850 तीर्थयात्री दुर्ग से स्पेशल ट्रेन से हुए रवाना

तीर्थयात्रियों ने कहा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की श्री रामलला अयोध्याधाम दर्शन योजना से ननिहाल के निवासियों को अपने भांचा के दर्शन का मिल रहा शुभ अवसर

रायपुर।

अयोध्या में श्री रामलला के भव्य मंदिर के निर्माण के पश्चात मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भांचा राम के दर्शन के लिए अयोध्या धाम ले जाने रामलला दर्शन योजना की शुरूआत की। आज इस योजना के अंतर्गत दुर्ग संभाग और बस्तर संभाग के 850 यात्री दुर्ग स्टेशन से रवाना हुए। छत्तीसगढ़ के भांचा राम जय सियाराम जय सियाराम की सुमधुर ध्वनि से पूरा दुर्ग स्टेशन गुंजायमान हो गया। तीर्थयात्रियों ने श्री रामलला दर्शन योजना की प्रशंसा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन की बहुत अच्छी योजना है। हम सब इस दिव्य क्षण की बरसों से प्रतीक्षा कर रहे थे। आज यह इंतजार पूरा हुआ। ननिहाल वासियों को अपने भांजे के दर्शन का अवसर सुलभ हुआ है। हम श्री रामलला से छत्तीसगढ़ की सुख समृद्धि की कामना करेंगे। उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व रायपुर एवं बिलासपुर संभाग के यात्री भी अयोध्याधाम के दर्शन कर चुके है। लोकसभा चुनाव में लगी आचार संहिता के उपरांत आज तीर्थयात्रा का पुनः शुभारंभ हुआ है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अयोध्याधाम जा रहे तीर्थयात्रियों को शुभकामनाएं दी है।

दुर्ग रेल्वे स्टेशन के प्लेटफार्म नं. 1 से इस स्पेशल ट्रेन को प्रदेश के उपमुख्यमंत्री द्वय अरूण साव एवं विजय शर्मा, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप और विधायक सर्व डोमनलाल कोरसेवाड़ा, ललित चंद्राकर, गजेन्द्र यादव व रिकेश सेन ने हरी झण्डी दिखाकर गंतव्य के लिए रवाना किया। तीर्थयात्रा में शामिल श्रद्धालुजन काफी उत्साहित थे। प्लेटफार्म नं. 1 पर श्री राम-लक्ष्मण एवं हनुमान जी की झांकी और पंथी नृतक दलों की करतल ध्वनि के साथ छत्तीसगढ़ के भांचा राम, जय सियाराम-जय सियाराम की ध्वनि गुंजायमान हो रही थी। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री अरूण साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ भगवान श्री राम का ननिहाल है। आप सभी श्री रामलला के दर्शन हेतु अयोध्या धाम जा रहे हैं। सभी श्रद्धालुगण छत्तीसगढ़ के विकास के लिए भगवान श्रीराम से आशीर्वाद लेकर आएंगे। उन्होंने तीर्थयात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक और गारंटी को छत्तीसगढ़ की साय सरकार सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के ध्येय वाक्य के साथ पूरा करने जा रही है। उपमुख्यमंत्री तथा दुर्ग जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि 500 वर्षों के संघर्ष के बाद अयोध्या धाम में रामलला का मंदिर बना है। केंद्र सरकार की दृढ़ इच्छा शक्ति से यह कार्य हुआ है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने तीर्थयात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीराम के प्रति वनवासियों में अगाध श्रद्धा भाव है। इससे पूर्व अतिथियों ने तीर्थयात्रियों से मुलाकात कर उनके कुशल क्षेम पूछा तथा ट्रेन को हरी झण्डी दिखाई। पहली बार अयोध्या धाम की यात्रा कर रहे बालोद जिले के 77 वर्षीय जय श्रीवास्तव एवं 70 वर्षीय श्रीमती जामुल बाई ने मुख्यमंत्री श्री साय के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया। उन्होंने कहा कि हमारी आस अयोध्या धाम देखने में लगी थी। मुख्यमंत्री श्री साय ने यह अच्छी योजना लाकर हमारी सपने को साकार कर दिया। राजनांदगांव जिले के 55 वर्षीय श्री दौलत साहू ने बताया कि स्पेशल ट्रेन में यात्रा करने का आनंद और भी अनूठा है क्योंकि सारे यात्री भगवान राम के असीम भक्त हैं और पूरी ट्रेन उत्साह में है। कवर्धा से श्रीमती सकुन बाई ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री साय के प्रति बहुत आभार व्यक्त करती हूं। भगवान श्री राम का दर्शन बहुत सौभाग्य की बात है। इस अवसर पर दुर्ग संभाग के आयुक्त सत्यनारायण राठौर, आईजी आर.जी. गर्ग, कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी, एसपी जितेन्द्र शुक्ला एवं अन्य अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नगरवासी मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने मल्टी-विलेज जलप्रदाय योजना और सड़क निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने अपने रायगढ़ प्रवास के दौरान विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने जल जीवन मिशन के अंतर्गत भेलवाटिकरा संबलपुरी मल्टी-विलेज जलप्रदाय योजना के तहत निर्माणाधीन वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। उन्होंने रायगढ़-पूंजीपथरा-घरघोड़ा-धरमजयगढ़ मार्ग के निर्माण कार्य को भी देखा। उप मुख्यमंत्री श्री साव को भेलवाटिकरा संबलपुरी मल्टी-विलेज जलप्रदाय योजना के तहत निर्माणाधीन वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट के निरीक्षण के दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आसपास के 29 गांवो में जलापूर्ति के लिए यह वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तैयार किया जा रहा है। इसके लिए रॉ वॉटर केलो डैम से लाकर उसका ट्रीटमेंट किया जाएगा। श्री साव ने कार्यस्थल पर अधिकारियों से वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट की कार्यविधि की जानकारी ली। उन्होंने निर्धारित समयावधि में योजना के सभी कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने केलो डैम के इंटेकवेल का भी निरीक्षण किया जहां से ट्रीटमेंट प्लांट में पानी सप्लाई किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि इंटेकवेल के बेस का कार्य पूर्ण हो चुका है। अब ऊपरी हिस्सों का काम शुरू किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने रायगढ़-पूंजीपथरा-घरघोडा-धरमजयगढ़ मार्ग के निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण कर अन्य निर्माणाधीन कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने जिले में चल रहे सभी कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने एवं सतत् फील्ड निरीक्षण कर काम पूर्ण करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री को लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि रायगढ़-पूंजीपथरा-घरघोड़ा-धरमजयगढ़ मार्ग में 56 किलोमीटर का कार्य किया जा रहा है। कुछ स्थानों पर निर्माण कार्य चल रहे हैं जो एक सप्ताह में पूर्ण हो जाएगा।

श्री साव को अधिकारियों ने बताया कि खरसिया-धरमजयगढ़ मार्ग में 91 किलोमीटर का कार्य प्रगति पर है जिसका 42 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। उप मुख्यमंत्री श्री साव के कार्यस्थलों के निरीक्षण के दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के बिलासपुर परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता संजय सिंह, कार्यपालन अभियंता परीक्षित चौधरी, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता अमित कश्यप और एसडीओ मुरारी सिंह नायक सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे।

जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों के समय-सीमा में निराकरण के दिए निर्देश

रायगढ़।

कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने जनदर्शन में जिले भर से आए जनसामान्य की समस्याओं से संबंधित आवेदनों को प्राप्त कर, उनसे चर्चा करते हुए उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को आवेदनों का विभागीय स्तर पर जांच करने एवं समय-सीमा में निराकृत करते कर सूचित करने के निर्देश भी दिए।

जनदर्शन में किरोड़ीमल नगर के पालकगण अपने बच्चों के एडमिशन के संबंध में आवेदन लेकर पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि किरोड़ीमल नगर एक औद्योगिक घनी आबादी वाला क्षेत्र है, जहां एकमात्र हायर सेकेंडरी स्कूल संचालित है, जिसको वर्तमान में स्वामी आत्मानंद विद्यालय घोषित कर प्रवेश कोटा निर्धारित किया गया है। जिसमें 100 छात्र-छात्राओं को लॉटरी के माध्यम से प्रवेश सुनिश्चित किया गया है। जिससे वर्तमान में लगभग 80 छात्र-छात्राएं प्रवेश से वंचित रह गई है। उन्होंने बताया कि किरोड़ीमल नगर हायर सेकेंडरी स्कूल के आश्रित माध्यमिक शाला किरोड़ीमल नगर उच्चभिट्ठी, चिराईपानी के बच्चे हैं यदि उन्हें कक्षा नवमीं में प्रवेश नहीं मिलने की स्थिति में बच्चे स्कूल जाने से वंचित रह जाएंगे। अधिकांश बच्चों की पालक मजदूर वर्ग से हैं, जो मजबूरीवश निजी विद्यालयों में सिर्फ बच्चों के भविष्य को संवारने के लिए आर्थिक रूप से जद्दोजहद कर रहे हैं। उन्होंने कलेक्टर श्री गोयल से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय किरोड़ीमल नगर में वैकल्पिक हाई स्कूल नहीं खोले जाने तक स्वामी आत्मानंद की संचालित कक्षा में निर्धारित कोटा को बढ़ाकर छात्र-छात्राओं के प्रवेश की मांग रखी ताकि किसी भी बच्चे का भविष्य खराब न हो। कलेक्टर श्री गोयल ने बच्चों एवं पालकों से बात कर सीईओ जिला पंचायत को आवेदन की जांच करने के निर्देश दिए।

वार्ड क्रमांक 39 रेल्वे बंगला पारा निवासी गीता स्वामी राशन कार्ड बनवाने के संबंध में आवदेन लेकर पहुंची थी, उन्होंने बताया कि वह 75 वर्ष के है, लेकिन आज पर्यन्त उनका राशन कार्ड नहीं बना है।

सरकार के अवैध कमाई का जरिया बना अहाता : विनोद चंद्राकर

महासमुंद। पूर्व संसदीय सचिव व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने कहा कि सरकार शराब के माध्यम से राजस्व बढ़ाने आहाता पॉलिसी लेकर आई। लेकिन, इन आहतों में नियमों का पालन नहीं किया जा रहा। अहातो में नियमानुसार आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराया जा रहा। सुरक्षा की दृष्टि से सिक्योरिटी गार्ड, पीने के लिए शुद्ध आरओ वाटर, खाने की व्यवस्था, कूलर, पंखा, आवश्यक पड़ने ए.सी., बैठने के लिए पर्याप्त व्यवस्था तथा शौचालय, सफाई की विशेष ध्यान रखा जाना है। लेकिन, आहतों को उपरोक्त सुविधाओं के बिना आधे-अधूरे तैयारियों के साथ चलाया जा रहा है। सफाई के अभाव आहातो में गंदगी पसरी हुई है। मदिरा प्रेमियों को स्वच्छ जल नहीं मिलने पर यदि वे स्वयं अन्यत्र स्थान से पानी बॉटल ले जा रहे हैं, तो उन्हें फाइन वसूला जा रहा है। और फाइन देने से मना करने पर आहता संचालकों द्वारा लड़ाई-झगड़ा कर मारपीट करने उतारू हो रहे हैं। श्री चंद्राकर ने कहा कि असल में सरकार की नीयत शराब प्रेमियों को सुविधा देने की थी ही नहीं। सरकार की मंसूबे केवल आहातों के माध्यम से पैसा कमाना था। आहातों के आबंटन से सरकार को करोड़ों रूपए प्राप्त हुए। अब इन आहातों की निगरानी, देखरेख में सरकार की रूचि नहीं। श्री चंद्राकर ने कहा कि प्रदेश में नई-नई शराब दुकानें खोलकर तथा आहाता के माध्यम से कमाई का जरिया बनाने वाले भाजपा सरकार में भाजपा के तमाम छोटे-बड़े नेता मौन हैं। पूर्ववर्ती सरकार के दौरान यही नेता शराबबंदी की मांग को लेकर छाती पीट रहे थे।

आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए विनोबा ऐप की विशेष कार्यशाला का किया गया आयोजन

दंतेवाड़ा। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में जिले में विनोबा ऐप के साथ शैक्षिक गुणवत्ता उन्नयन के लिए आचार्य विनोबा भावे शिक्षक सहायक कार्यक्रम संचालित हो रहा है। जिसके अंतर्गत आगामी शैक्षणिक सत्र 2024-25 में सभी शैक्षणिक गतिविधियों को विनोबा ऐप के माध्यम से संचालित किया जाएगा। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी एस के अंबस्ता द्वारा 24 से 25 जून को जिले के समस्त विकास खंडों में संचालित सभी प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक, हाई और हायर सेकेण्डरी विद्यालयों से एक-एक शिक्षक हेतु विशेष कार्यशाला आयोजन किया गया। साथ ही इस में विकासखंड स्तर पर पोस्ट ऑफ द मंथ के विजेताओं को विकासखंड शिक्षा अधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आगामी शैक्षणिक सत्र में शैक्षणिक गतिविधियों को "विनोबा ऐप" के माध्यम से संचालित कर शिक्षकों के समय की बचत के साथ साथ दैनिक कार्य आसान करने वाले मुख्य कार्यक्रमों को शिक्षकों के साथ साझा करना था। इस में मुख्य रूप से कक्षा 1 से 8वीं के लिए बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के साथ लर्निंग आउटकम बढ़ाने के लिए पढ़ेगा दंतेवाड़ा लिखेगा दंतेवाड़ा, जिले में 10वीं एवं 12वीं के बोर्ड परीक्षा परिणाम को बढ़ावा देंने हेतु मासिक टेस्ट, इसी के साथ साथ एनएमएमएसई स्कॉलरशिप परीक्षा तथा नन्हे परिंदे सेंटर के बच्चों के लिए मासिक टेस्ट यह ओएमआर शीट के माध्यम से कराया जायेगा। साथ ही बच्चों में लाइफस्किल्स को बढ़ावा देने के लिए बोलेगा बचपन, कागज के पंख, स्पोकन इंग्लिश, बालमित्र लाइब्रेरी इत्यादि कार्यक्रम का संचालन किया जाएगा। साथ ही इन सभी कार्यक्रमों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को जिला स्तर पर और इसी के साथ पोस्ट ऑफद मंथ के विजेता शिक्षकों को विकासखंड स्तर एवं जिला स्तर पर पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। उक्त कार्यशाला में आचार्य विनोबा भावे शिक्षक सहायक कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड स्तर पर कुआकोंडा में चारुलता रामटेके, कृतिका देवांगन, गीदम में शिल्पा चौहान, रवि सुराना और सुनील जोर्ज, कटेकल्याण में लता साहू आदि शिक्षकों को विकासखंड शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से पुरस्कार भेट देकर सम्मानित किया गया।

इसी के साथ जिले में पोस्ट ऑफ में के विजेताओं को जिले में सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यशाला का आयोजन जिले के चारों विकासखंड में किया गया। दंतेवाड़ा में जिला शिक्षा अधिकारी एस के अम्बस्ट एवं जिला मिशन समन्वयक श्याम लाल शोरी द्वारा शिक्षकों को संबोधित करते हुए विनोबा ऐप के बारे में जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने गरियाबंद जिले के किडनी मरीजों की सुविधा के लिए चार एम्बुलेंस की दी सौगात

रायपुर। प्रदेश के लोक स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जयसवाल गरियाबंद जिले के एक दिवसीय प्रवास पर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने गरियाबंद के कोविड अस्पताल में बनाये गये जिले के किड़नी पीड़ित मरीजों के लिए 10 बिस्तर के डायलिसिस यूनिट का शुभारंभ किया। उन्होंने डायलिसिस करा रहे भर्ती मरीजों से उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली तथा चिकित्सकों को बेहतर उपचार करने के निर्देश दिये।

इसके उपरांत उन्होंने कोविड अस्पताल में बनाये गये प्रयोगशाला कक्ष सहित अन्य वार्डो का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर उन्होंने यहां जिले के किड़नी पीड़ित मरीजों को लाने ले जाने के लिए सर्व सुविधायुक्त तीन एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने जिले के दूरस्थ अंचल में बसे ग्राम सुपेबेड़ा के उपस्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उप स्वास्थ्य केन्द्र के समीप निर्माणाधीन स्वास्थ्य केन्द्र को आठ माह के भीतर सर्व सुविधायुक्त बनाने के निर्देश दिये। श्री जायसवाल ने सुपेबेड़ा के मरीजों के लिए एक एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

उन्होंने कहा कि सुपेबेड़ा में दो नए डायलिसिस केंद्र की स्थापना की जाएगी। इसके साथ ही ग्रामीणों के पेयजल के लिए आर.ओ. वाटर लगाये जाएंगे। इसके अलावा तेल नदी से पानी की सप्लाई कर उसे फिल्टर प्लांट के माध्यम से शुद्धिकरण कर गांव में प्रत्येक घर तक पानी पहुंचाने का कार्य किया जायेगा। स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने सुपेबेड़ा किड़नी पीड़ित मरीज प्रेमजय छत्रपाल के घर पहुंचकर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस दौरान श्री छत्रपाल ने बताया कि उन्हें तीन वर्ष से घर पर ही डायलिसिस की सुविधा चिकित्सकों द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है। इस दौरान मंत्री जायसवाल ने परिवार की शासन प्रशासन से हर संभव मदद पहुंचाने का आश्वासन दिया। स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने सुपेबेड़ा में ग्रामीणों से चर्चा करते हुए गरियाबंद और देवभोग में लैब स्थापना की जानकारी दी। मंत्री ने कहा कि सुपेबेड़ा एवं आसपास के सात गांव के किडनी पीड़ित मरीजों के लिए निःशुल्क जांच, उपचार एवं दवाई दी जाएगी। उन्होंने कहा कि आगामी 6 माह में सुपेबेड़ा में दो डायलिसिस सेंटर शुरू किए जाएंगे। स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने गरियाबंद जिले के लिए पांच चिकित्सकों एवं दो नेफ्रोलॉजिस्ट चिकित्सकों की जारी नियुक्ति आदेश के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किडनी बीमारी के अनुसंधान के लिए गरियाबंद में सप्ताह में दो बार तथा सुपेबेड़ा एवं देवभोग में माह में दो दिन विशेषज्ञ चिकित्सक आयेंगे।उन्होंने कहा की जिले में किडनी

बीमारी की जांच के लिए पायलेट प्रोजेक्ट के तहत काम किया जाएगा। जिससे बीमारी की सूक्ष्म जांच कर उनका इलाज किया जा सके। ग्रामीणों के जेनेटिक जांच के आधार बीमारी की जांच की जाएगी। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने देवभोग पहुंचकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थित डायलिलिस युनिट का शुभांरभ किया और भर्ती मरीजों का हालचाल पूछा।

प्रधानमंत्री आवास योजना की तर्ज पर हरियाणा में मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना का मिल रहा लाभ

आज संविधान तो सुरक्षित लेकिन कांग्रेस खत्म हो रही है : नायब सिंह

चंडीगढ़ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर गरीब के सिर पर छत के सपने को पूरा करने के लिए चलाई गई प्रधानमंत्री आवास योजना की तर्ज पर हरियाणा में गरीब परिवारों के अपने घर के सपने को पूरा करते हुए सरकार ने मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना चलाई है। इस योजना के तहत आज 15,250 लाभार्थियों को प्लॉट आवंटन प्रमाण पत्र वितरित किए गए हैं। जिला रोहतक में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और उन्होंने लाभार्थियों को मौके पर प्लॉट आवंटन पत्र वितरित किए हैं। इसके अलावा, चार अन्य स्थानों नामत: यमुनानगर, पलवल, सिरसा और महेंद्रगढ़ में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इस अवसर पर उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए नायब सिंह ने कहा कि आज बड़ा खुशी का दिन है जब गरीब लोगों के अपने घर का सपना पूरा हो रहा है। मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना केवल एक योजना नहीं, बल्कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हमारी डबल इंजन सरकार की गरीब के चेहरे पर मुस्कान लाने वाली और उनका सपना पूरा करने वाली एक पहल है। हमारी सरकार का ध्येय गरीब व्यक्ति के जीवन को सरल बनाना और उन्हें मजबूत करना है, ताकि वे अपने परिवार को आगे बढ़ा सकें और अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिला सकें। नायब सिंह ने कहा कि पूर्व की सरकार ने गरीब लोगों को प्लॉट तो दिखा दिए थे, लेकिन न उन्हें प्लॉट दिया, न ही कोई कागज दिया। वे लोग चक्कर काटते रहे। परंतु हमारी सरकार ने उन लोगों की पीड़ा को समझा और यह निर्णय लिया कि हमारी सरकार उन्हें प्लॉट देगी। इसलिए गत दिनों सोनीपत में एक कार्यक्रम किया गया था, जिसमें गरीब लोगों को 100-100 वर्ग गज के प्लॉटों के कब्जा प्रमाण पत्र सौंपे गए थे।

उन्होंने कहा कि सरकार ने यह भी घोषणा की थी कि जिन गांवों में यदि जमीन उपलब्ध नहीं है तो ऐसे शेष लोगों को प्लॉट खरीदने के लिए उनके खातों में 1-1 लाख रुपये की राशि भेजी जाएगी। इसके अलावा, अधिकारियों को यह निर्देश दिए जा चुके हैं कि अगर कोई पात्र लाभार्थी लाभ लेने से वंचित रह गया है या कोई और नागरिक भी इस योजना का लाभ लेना चाहता है तो इसके लिए एक पोर्टल विकसित किया जाए, ताकि लोग लाभ लेने के लिए आवेदन कर सकें। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले ही एक लाख से अधिक श्रम विभाग के पात्र लाभार्थियों को भी विभिन्न योजनाओं के तहत 80 करोड़ रुपये का लाभ दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने हरियाणा अंत्योदय परिवार परिवहन योजना (हैप्पी) के तहत 1 लाख रुपये से कम आय वाले परिवारों को हैप्पी कार्ड वितरित किए हैं। प्रदेश में ऐसे लगभग 23 लाख परिवार हैं, जिनमें लगभग 84 लाख सदस्य हैं, उन्हें इस योजना के तहत एक साल के अंदर 1000 किलोमीटर मुफ्त बस यात्रा का लाभ मिल रहा है। नायब सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पीएम सूर्य घर- मुफ्त बिजली योजना चलाई गई है। इस योजना के तहत प्रदेश के ऐसे परिवार जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये से कम है, वे इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। सोलर पैनल लगाने का खर्च 1 लाख 10 हजार रुपये है। 60 हजार रुपये की राशि केंद्र सरकार द्वारा और 50 हजार रुपये की राशि हरियाणा सरकार द्वारा दी जाएगी। इस योजना का लाभ लेने से बिजली बिल जीरो हो जाएगा और जो अतिरिक्त बिजली बचेगी, उस बिजली को भी सरकार खरीदेगी, जिससे उनकी अतिरिक्त आय होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कि विपक्षी दलों ने चुनावों के समय झूठ बोला कि अगर नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने तो वे संविधान, आरक्षण को खत्म कर देंगे। जबकि पिछले 10 वर्षों से प्रधानमंत्री ने इस देश को संविधान के अनुरूप ही चलाया है। आज संविधान तो सुरक्षित लेकिन कांग्रेस खत्म हो रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने गरीब परिवार, जिनके घर में नौकरी नहीं थी, उन बच्चों को नौकरी के लिए 5 नंबर देने का प्रावधान किया। लेकिन विपक्ष का भर्ती रोको गैंग गरीब को नौकरी नहीं करने देना चाहता। सरकार की इस व्यवस्था के खिलाफ ये भर्ती रोको गैंग सुप्रीम कोर्ट तक गया। हमनें सुप्रीम कोर्ट में इसकी लड़ाई लड़ी, लेकिन अब फिर हम रि-अपील दायर करेंगे। अगर फिर भी कोई रास्ता नहीं निकला तो हम विधानसभा से कानून बनाकर 5 नंबर देंगे और गरीब के घर पर नौकरी देने का काम करेंगे। नायब सिंह ने कहा कि जिन परिवारों के 2 किलोवाट का कनेक्शन है, उन परिवारों द्वारा जितने यूनिट बिजली की खपत होगी, उतना ही बिल उपभोक्ता से लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद ये कहा था कि उनकी सरकार गरीब को समर्पित रहेगी और आज हमारी डबल इंजन की सरकार निरंतर गरीब को सशक्त करने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जनता के आर्शिवाद से नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली है और अब हरियाणा में भी प्रदेश की जनता हमें आशीर्वाद देने का काम करेगी। इस अवसर पर शहरी स्थानीय निकाय राज्य मंत्री सुभाष सुधा ने मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत प्लॉट आवंटन पत्र मिलने वाले लाभार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत जिन परिवारों की आय 1.80 लाख रुपये वार्षिक से कम है, उन्होंने आवेदन किया था और आज मुख्यमंत्री ने ऐसे पात्र लाभार्थियों को लाभ दिया है।

ओम बिरला चुने गए लोकसभा स्पीकर, ध्वनि मत से हुआ फैसला; आसन तक लेकर गए मोदी-राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

18वीं लोकसभा के पहले सत्र का तीसरा दिन है। पिछले दो दिनों की कार्यवाही में निर्वाचित सांसदों ने सदन के सदस्यता की शपथ ली थी। साथ ही साथ लोकसभा के अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों का ऐलान किया गया था। एनडीए की तरफ से ओम बिरला और इंडिया गठबंधन की तरफ से कांग्रेस सांसद के सुरेश को उतारा गया था। आज स्पीकर का चुनाव हुआ। जिसमें ओम बिरला स्पीकर चुने गए। संसद में ध्वनिमत से ओम बिरला को स्पीकर चुना गया है। अब ओम बिरला 18वीं लोकसभा के स्पीकर होंगे। इससे पहले भी वही लोकसभा स्पीकर थे। ये एक ऐतिहासिक क्षण था क्योंकि बीजेपी से लगातार दूसरी बार एक ही व्यक्ति का स्पीकर चुने जाने का ये पहला मौका होगा।

इसके बाद पीएम मोदी ने ओम बिरला को बधाई दी। पीएम मोदी और राहुल गांधी दोनों ने मिलकर ओम बिरला को उनके आसन तक पहुंचाया। पीएम मोदी ने ओम बिरला को जीत की बधाई दी। इस दौरान संसद में पीएम मोदी ने कहा कि पूरे सदन की ओर से आपको बधाई। दूसरी बार स्पीकर बनना नया रिकॉर्ड है। आप नए कीर्तिमान गढ़ते आए हैं। ओम बिरला हम सभी को मार्गदर्शित करते रहते हैं और आगे भी करते रहेंगे। यह सदन का सौभाग्य है कि आप दूसरी बार स्पीकर बने हैं।

झारखंड को नशा मुक्त प्रदेश बनाना सरकार का संकल्प : चंपई सोरेन

रांची (एजेंसी)। झारखंड के सीएम चंपई सोरेन ने कहा है कि सरकार नशामुक्त झारखंड बनाने को लेकर कृतसंकल्प है। जन-जन को नशा से दूर रखने का अभियान राज्य के कोने-कोने में चल रहा है। जनसहभागिता से हम यह संकल्प पूरा करेंगे। सीएम ने बुधवार सुबह रांची के मोरहाबादी मैदान में नशामुक्त झारखंड अभियान के तहत राज्यस्तरीय जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं।

सोरेन ने कहा कि मादक पदार्थों के तस्कर स्कूल, कॉलेज के आसपास के क्षेत्रों में अपना जाल फैलाते हैं और युवा वर्ग को नशे के अंधकार में धकेलते हैं। तस्करों का नेटवर्क तोड़ने के लिए राज्य की पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। कई जगहों पर अफीम की खेती को नष्ट किया गया है। ब्राउन शुगर, गांजा, डोडा आदि मादक पदार्थों की बड़े पैमाने पर रिकवरी भी हुई है। सैकड़ों की संख्या में आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े अंतरराज्यीय गैंग्स का पर्दाफाश किया गया है तथा सप्लाई चेन को चिन्हित कर कार्रवाई भी की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा हमारे राज्य और देश के भविष्य हैं। युवाओं को नशा मुक्त रख कर ही समृद्ध प्रदेश का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने युवाओं को आह्वान किया करते हुए कहा कि वे स्वयं के साथ-साथ दूसरों को भी नशा से दूर रहने के लिए प्रेरित करें और नशा मुक्त समाज के निर्माण में भूमिका निभाने का संकल्प लें।

आषाढ़ में झमाझम बारिश का इंतजार, धान का बीज गिराने के लिए आसमान निहार रहे किसान

पटना (एजेंसी)।

बिहार में मानसून की बेरुखी अब किसानों की मुश्किलें बढ़ा रही हैं। आषाढ़ महीना चल रहा है लेकिन किसानों को अब भी झमाझम बारिश का इंतजार है। थोड़ी बहुत बारिश जरूर हुई है लेकिन वह खेती की गतिविधियों को शुरू करने के लिए नाकाफी है। किसान अब तक धान के बिचड़े खेतों में नहीं डाल पाए हैं, जिससे धान की खेती के पिछड़ने की संभावना बढ़ गयी है।

इस साल कृषि विभाग ने 36.56 लाख हेक्टेयर में धान की खेती का लक्ष्य रखा है। बताया जाता है कि अभी तक 40 से 45 प्रतिशत ही बिचड़े खेतों में गिराए गए हैं। ऐसी स्थिति में कृषि विभाग ने भी तैयारी शुरू कर दी है। कृषि वैज्ञानिकों का भी मानना है कि अब तक बिचड़े खेतों में पड़ जाने चाहिए थे। राजेन्द्र प्रसाद कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों का कहना है कि लंबी अवधि की प्रजाति को देर से डालने वाले किसानों के लिए रबी तक पहुंच कम हो जाएगी। लंबी अवधि का बिचड़ा अब तक खेतों में पड़ जाना चाहिए था। हालांकि शॉर्ट टाइम वाले प्रभेद के लिए अभी एक सप्ताह का टाइम और है।

कृषि वैज्ञानिक डॉ अखिलेश ने कहा कि किसान 110 से 135 दिनों के कम और मध्यम अवधि वाले धान लगा सकते हैं। बारिश नहीं हो रही है, ऐसे में उत्पादन घटेगा। हाइब्रिड धान की वैरायटी भी लगाना ठीक होगा। इस बीच, मानसून की बेरुखी के बाद कृषि विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। विभाग सूखे की स्थिति में फसलों की सिंचाई के लिए डीजल अनुदान देगा। इसके लिए राशि भी स्वीकृत कर ली गई है।

बताया गया है कि मौसम पूर्वानुमान में राज्य में कई इलाकों में सामान्य तो कई इलाकों में सामान्य से कम बारिश की आशंका जताई गई है। ऐसे में सूखे की भी संभावना प्रबल है। इस कारण संभावित अनियमित मानसून, सूखा और अल्पवृष्टि जैसी स्थिति में सिंचाई के लिए डीजल अनुदान दिया जायेगा जिससे धान के बिचड़ों और खेतों में लगी फसल बचाई जा सके। किसान बताते हैं कि जिन खेतों में अभी दलदल होनी चाहिए, वहां लंबी और गहरी दरारें दिख रही हैं। खेतों में दूर-दूर तक कहीं भी बिचड़ा डालने के हालात नहीं है। वर्षा में और देरी हुई तो सबसे अधिक नुकसान धान की फसल को हो सकता है।

छात्र ने पिता की लाइसेंसी रिवॉल्वर से की खुदकुशी

ग्वालियर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में एक और छात्र के आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। ग्वालियर में एक छात्र ने अपने पिता की लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली। ग्वालियर के महाराजपुरा इलाके की गुरु कृपा कॉलोनी में रहने वाले 17 वर्षीय मोहित लोधी ने अपने घर पर पिता की लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने रिवॉल्वर सहित अन्य सामग्रियां जब्त कर कर ली हैं। आत्महत्या की वजह का अभी खुलासा नहीं हो पाया है। बताया गया है कि जिस समय मोहित ने खुद को गोली मारी उस समय घर पर कोई नहीं था। वह पिछले कुछ दिनों से परिवार के सदस्यों से किसी बात को लेकर नाराज चल रहा था और आशंका जताई जा रही है कि उसने यह कदम इसी वजह से उठाया है।

फर्जी डिग्रियों का मामला

चूरू की ओपीजेएस यूनिवर्सिटी के सभी पाठ्यक्रमों में नए प्रवेश पर रोक

जयपुर (एजेंसी)। उच्च शिक्षा विभाग ने चूरू में ओपीजेएस यूनिवर्सिटी के सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश पर रोक लगा दी है। यूनिवर्सिटी में परीक्षा और प्रवेश प्रक्रिया में अनियमितताएं होने व फर्जी डिग्रियों की जांच के बाद की गई अनुशंषा पर उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख शासन सचिव सुबीर कुमार ने प्रवेश पर रोक के आदेश जारी किए हैं।

इस मामले में गठित जांच जांच समिति ने विभाग को प्रस्तुत अपनी विस्तृत जांच रिपोर्ट में बताया कि ओपीजेएस विश्वविद्यालय, चुरू अधिनियम, 2013 के विभिन्न प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन किया गया है। डी. फार्मा पाठ्यक्रम का संचालन सम्बद्ध संस्थानों के माध्यम से कराया गया है जो विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 7 का उल्लंघन है। विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया अधिनियम की धारा 32 के अनुसार नहीं की गई है।

रिपोर्ट में बताया कि परीक्षाएं, परीक्षा परिणामों में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं जो कि अधिनियम की धारा 34 एवं 35 का उल्लंघन है। विश्वविद्यालय में कोई भी नियमित पाठ्यक्रम विधि अनुरूप संचालित नहीं है। जांच समिति ने विभिन्न अनुशंषाओं के साथ विश्वविद्यालय के समस्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने की अनुशंषा की है। इसके तहत ओ.पी.जे.एस. विश्वविद्यालय, चुरू में समस्त पाठ्यक्रमों में नवीन प्रवेश पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाती है। हाल ही राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर एवं राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर द्वारा आयोजित विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में सम्मिलित हुए अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच/सत्यापन के दौरान ओ.पी.जे.एस. विश्वविद्यालय, चुरू की अनेक डिग्रीयां फर्जी होने के तथ्य संज्ञान में आए। एसओजी पुलिस ने भी उक्त विश्वविद्यालय द्वारा बिना अध्यापन के कूटरचित तरीके से डिग्रीयां जारी करने के प्रकरण उजागर किए थे। प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए ओपीजेएस विश्वविद्यालय, चुरू अधिनियम, 2013 की धारा 44 की उप धारा 2 एवं 3 के तहत विश्वविद्यालय में व्याप्त अनियमितताओं की जांच की गई।

पीएम मोदी, अमित शाह ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को दी जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के 55वें जन्मदिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत तमाम नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर लिखा, केंद्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान जी को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं। मैं उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन जीने की कामना करता हूं।

शिक्षा मंत्री ने इसके जवाब में लिखा, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, बधाई और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद। आपके गतिशील नेतृत्व में भारत मां की सेवा करना सौभाग्य और सम्मान की बात है। आपका मार्गदर्शन मुझे और अधिक मेहनत करने और विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में योगदान देने के लिए प्रेरित करता है।

गृहमंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा, केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।

भगवान जगन्नाथ से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं लंबी उम्र की प्रार्थना करता हूं। इसके जवाब में धर्मेंद्र प्रधान ने लिखा, आपकी शुभकामनाओं के लिए हृदय से धन्यवाद, माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी।

जनसेवा और लोक-कल्याण के लिए आपकी निष्ठा मेरे लिए प्रेरणादायक है। आपके स्नेह, आशीर्वाद और मार्गदर्शन का सदैव आकांक्षी हूं। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लिखा, केंद्रीय मंत्रिमंडल में मेरे साथी, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान जी को जन्मदिन की आत्मीय बधाई! ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य, सुदीर्घ और मंगलमय जीवन के लिए प्रार्थना करता हूं।

भाजपा नेता और पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई, जो हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भजनलाल के बेटे भी हैं, ने धर्मेंद्र प्रधान संग तस्वीर साझा करते हुए पोस्ट में लिखा, केन्द्रीय मंत्री एवं हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। आपके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करता हूं। उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए लिखा, माननीय केंद्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान जी को जन्म दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। भगवान श्री जगन्नाथ से आपके सुदीर्घ, सुयशपूर्ण जीवन और उत्तम स्वास्थ्य की कामना है। वरिष्ठ भाजपा नेता और हरियाणा के पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने लिखा, केंद्रीय शिक्षा मंत्री और हरियाणा के चुनाव प्रभारी श्री धर्मेंद्र प्रधान जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आप शिक्षा क्षेत्र की मजबूती हेतु सराहनीय भूमिका निभा रहे हैं। आप स्वस्थ और दीर्घायु रहें, ईश्वर से यही कामना करता हूं।

अस्पताल में भर्ती आतिशी से मिलने पहुंचे सपा प्रमुख अखिलेश यादव

नई दिल्ली (एजेंसी)। समाजवादी प्रमुख अखिलेश यादव ने सुबह दिल्ली की मंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) नेता आतिशी से यहां एलएनजेपी अस्पताल में मुलाकात की। दिल्ली जल संकट और हरियाणा से पानी की आपूर्ति को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन के दौरान आतिशी की तबीयत बिगड़ने के बाद मंगलवार देर रात उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

सपा प्रमुख ने अस्पताल में आतिशी से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना। मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केंद्र में भाजपा की सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्रियों की तकलीफ बढ़ गई है। उन्होंने कहा, मैं खुद मुख्यमंत्री रह चुका हूं, इसलिए एक मुख्यमंत्री की तकलीफ समझता हूं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने सबसे ज्यादा भेदभाव दिल्ली सरकार के साथ, और खासकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ किया है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि जब सीएम केजरीवाल को हर जगह से राहत मिलनी शुरू हो गई तो नया मुकदमा लगाकर उनको फंसा दिया गया। उन्होंने कहा, सीबीआई के लोग लगातार उन लोगों को फंसाते हैं जिनसे भाजपा को खतरा है।

राष्ट्रीय राजधानी में जल संकट को लेकर आतिशी ने अनिश्चितकालीन अनशन शुरू किया था। लेकिन चार दिन बाद उनकी तबीयत खराब होने की वजह से मंगलवार देर रात उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल आईसीयू में उनका इलाज चल रहा है। आम आदमी पार्टी ने अनशन फिलहाल स्थगित कर दिया है।

बिहार में मीडियाकर्मी की चाकू गोदकर हत्या

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के मनियारी थाना क्षेत्र में अज्ञात अपराधियों ने सोशल मीडिया (यूट्यूब) से जुड़े एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी। हत्या के कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है।

पुलिस के मुताबिक, मनियारी थाना क्षेत्र के मरीपुर गांव निवासी शिव शंकर झा अपनी बाइक से मंगलवार की देर रात घर जा रहे थे, तभी गांव के शिव मंदिर के पास अज्ञात अपराधियों ने उनकी बाइक रोक कर चाकू से गोदकर निर्मम हत्या कर दी। फिलहाल घटना के कारणों के बारे में स्पष्ट रूप से पता नहीं चल सका है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। मनियारी थाना के सब इंस्पेक्टर जय शंकर राम ने बुधवार को बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची।

आकाशीय बिजली ने जमकर ढाया कहर, चपेट में आने से एक महिला समेत दो की मौत, 5 झुलसे

मीरजापुर (एजेंसी)। मानसून की पहली बरसात ने जमकर पानी बरसाते हुए गर्मी से लोगों को राहत जरूर दिया है लेकिन उमस बरकरार होने से लोग पसीने से लथपथ नज़र आएं हैं। दूसरी ओर आकाशीय बिजली ने भी जमकर कहर ढाया है। जिले के अलग-अलग हिस्सों में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक महिला समेत दो की मौत हो गई है, जबकि 5 लोग झुलसे होने बताते जा रहें हैं। सभी झुलसे हुए लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस ने आकाशीय बिजली से हताहतों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है। पहली घटना विंध्याचल कोतवाली के गोपालपुर मड़गुड़ा गांव की बताई जा रही है, जहां एक पुरुष की मौत हुई है। जबकि दूसरी घटना लालगंज कोतवाली क्षेत्र के कोल्हुआ गांव में घटित होनी बताई जा रही है जहां महिला की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हुई है। बताया जा रहा है कि कोल्हुआ गांव निवासिनी देवी 30 वर्ष घर में सोई थी। अचानक देर रात तेज चमक गरज के साथ बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से चपेट में आ गई। बच्चों के शोर मचाने पर परिजन आनन-फानन में महिला को मंडलीय अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सक ने देखने के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया। इसी प्रकार गंगहरा कलां गांव निवासी सुरेंद्र कुमार दुबे पुत्र राज नारायण दुबे के घर के सामने यूकेलिप्टस के पेड़ पर आकाशीय बिजली गिर गई जिसकी चपेट में आने से एक गाय की मौत हो गई। कोल्हुआ गांव निवासिनी मृतक महिला के दो पुत्र एक पुत्री हैं। जिगना थाना क्षेत्र के गौरा इण्डियन बैंक के बगल में आकाशीय बिजली गिरने से राजाराम हरिजन की दो भैसों की मौत हो गई है। जबकि ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के बबुरा रघुनाथ सिंह गांव के किरका मोहल्ला में मंगलवार की देर रात गरज चमक के साथ हो रही बारिश में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से पशुपालक की खूंटे से बंधी दो भैंसों की मौत होनी बताई जा रही है।

ड्रमंडगंज संवाददाता के अनुसार ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के बबुरा रघुनाथ सिंह गांव के किरका मोहल्ला में बुधवार रात के करीब 2 बजे गरज चमक के साथ हो रही बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से दो भैंसों की दर्दनाक मौत हो गई।

जय फिलिस्तीन का नारा लगाकर मुश्किलों में घिरे ओवैसी, सांसदी समाप्त करने के लिए राष्ट्रपति से शिकायत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

लोकसभा सदस्य के रूप में मंगलवार को शपथ ग्रहण के दौरान 'जय फिलिस्तीन' के नारे लगाने वाले हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी की सदस्यता रद्द करने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से शिकायत की गई है। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने देर रात एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि उनके पिता और उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता हरि शंकर जैन ने यह शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने एक्स पर लिखा, हरि शंकर जैन ने असदुद्दीन ओवैसी के खिलाफ संविधान के अनुच्छेद 102 और 103 के तहत राष्ट्रपति के समक्ष शिकायत दायर की है, जिसमें उन्हें संसद सदस्य के रूप में अयोग्य घोषित करने की मांग की गई है।

अनुच्छेद 102 के अनुसार, कोई व्यक्ति संसद के किसी सदन का सदस्य चुने जाने के लिए और सदस्य होने के लिए अयोग्य होगा - यदि वह भारत सरकार के या किसी राज्य सरकार के अधीन किसी लाभ के पद पर हो, या उसे अदालत द्वारा दिमागी रूप से अक्षम घोषित किया गया हो, या दिवालिया घोषित किया गया हो, या भारत का नागरिक न हो अथवा भारत के साथ किसी दूसरे देश की नागरिकता स्वीकार करता है, या उसे संसद द्वारा पारित किसी कानून के तहत अयोग्य करार दिया गया हो।

पेरिस में भारतीय हॉकी टीम फेवरेट, लेकिन सुलझानी होंगी कई समस्याएं : जोकिम कार्वाल्हो

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय हॉकी टीम ओलंपिक खेलों में हमेशा फैंस की उम्मीदों के बोझ के साथ मैदान में उतरती है। इस बार पेरिस ओलंपिक में भारत के पास मौका है पिछले चार दशक के स्वर्ण पदक के सूखे को खत्म करने का। भारतीय हॉकी टीम के पास आठ स्वर्ण पदकों की विशाल विरासत है। टोक्यो ओलंपिक खेलों में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने के बाद से पुरुष टीम से उम्मीदें कई गुना बढ़ गई हैं।

अब प्रशंसक न केवल भारतीय टीम से एक और पदक जीतने की उम्मीद करते हैं, बल्कि यह भी चाहते हैं कि यह स्वर्ण या रजत हो। पेरिस में भारत एक चुनौतीपूर्ण ग्रुप में है, जिसमें गत चैंपियन बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड जैसी टीमें हैं। इसलिए, टीम का पहला लक्ष्य शीर्ष चार में रहना और क्वार्टर फाइनल में जगह बनाना होगा।

ओलंपिक खेलों में लगभग एक महीने का समय बचा है, ऐसे में भारतीय पुरुष हॉकी टीम की तैयारियों और पेरिस में उनकी संभावनाओं का जायजा लेने के लिए पूर्व भारतीय खिलाड़ी और कोच जोकिम कार्वाल्हो से बात की।

प्रश्न : 2024 ओलंपिक अब लगभग 30 दिन दूर है, पेरिस में भारत की संभावनाओं के बारे में आप क्या सोचते हैं?

उत्तर : हमेशा की तरह, भारत ओलंपिक में ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, जर्मनी और हॉलैंड जैसी टीमों के साथ पसंदीदा टीमों में से एक के रूप में जाता है। लेकिन साथ ही, मैं अन्य टीमों की संभावनाओं को भी नकार नहीं सकता। आज, हॉकी का इतना विकास हो चुका है कि ओलंपिक में भाग लेने वाली सभी टीमों के पास पोडियम फिनिश करने का मौका है। मगर दावेदार हमेशा की तरह बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, भारत, जर्मनी और हॉलैंड होंगे। मैं उन्हें अंतिम चार में जगह बनाते देखना चाहूंगा।

मैं स्पेन और फ्रांस को भी कम नहीं आंकूंगा। पिछले 2-3 साल में इन टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया है। इसलिए, वो इस महाकुंभ में डार्क हॉर्स हैं।

प्रश्न : आप भारतीय टीम की तैयारियों को कैसे देखते हैं?

उत्तर : भारत ने वह सारी तैयारियां की हैं, जिसकी उन्हें जरूरत थी। वे ऑस्ट्रेलिया में एक सीरीज खेलने गए थे। जहां उन्हें 5-0 से हार झेलनी पड़ी, जो एक अच्छा परिणाम नहीं है और न ही अच्छी तैयारी।

भले ही कोच क्रेग फुल्टन कह रहे थे कि वे अपनी सभी ताकत और कमजोरियों का विश्लेषण करने जा रहे हैं। लेकिन भारत जैसी शीर्ष टीम से यह उम्मीद नहीं थी, जो अच्छा प्रदर्शन कर रही है। हमने हमेशा देखा है कि ऑस्ट्रेलिया को हराना बहुत मुश्किल है। लेकिन 5-0 से हारना काफी निराशाजनक है। हमारी गलती यह है कि हम मैच की बहुत धीमी शुरुआत करते हैं और धीरे-धीरे मुकाबले में पिछड़ जाते हैं। हम शुरुआती गोल खाने के बाद फिर वापसी करते हैं और स्कोर बराबर करने की कोशिश में लग जाते हैं, और अंत में मैच गंवा देते हैं।

मुझे लगता है कि हमें ये सोच बदलनी होगी और इसे ठीक किया जाना चाहिए। हमारी प्रक्रिया या ओलंपिक पदक की हमारी खोज में इसे अनदेखा नहीं कर सकते।

प्रश्न: टोक्यो ओलंपिक में टीम ने कांस्य पदक जीता है, इसलिए उनसे बहुत उम्मीदें हैं कि वे पेरिस में पदक के रंग में सुधार करें। ये उम्मीदें कितनी सही है? खिलाड़ियों के लिए इस दबाव को झेलना कितना मुश्किल होगा?

उत्तर : पदक जीतने के बाद हमेशा उम्मीदें बहुत ज्यादा होती हैं। लेकिन जैसा कि मैंने कहा, आज की हॉकी में, दुनिया में इतनी सारी टीमें हैं कि यह अनुमान लगाना बहुत मुश्किल है कि आपको पदक ज़रूर मिलेगा। मैं कहूंगा कि भारतीय टीम में निरंतरता की कमी है। जहां तक दूसरी टीमों की बात है, तो उन्होंने क्या किया और कैसे तैयारी की, इस पर नहीं जाना चाहिए, बल्कि नतीजों को देखते हुए, वे सही समय पर शीर्ष पर पहुंचती हैं। अगर आप देखें, तो प्रो लीग में भी उनका प्रदर्शन भारतीय टीम के प्रदर्शन की तुलना में बहुत अच्छा रहा है।

प्रश्न : प्रो लीग ने डिफेंस को चिंता का विषय बना दिया है, जबकि गोल स्कोरिंग भी एक समस्या है। आपको क्या लगता है कि टीम को किन अन्य क्षेत्रों में काम करने की ज़रूरत है?

उत्तर : देखिए, मैंने कहा था कि हमें महत्वपूर्ण क्षणों में गोल खाने से बचना चाहिए। हम शुरुआती गोल खा रहे हैं। खेल शुरू हुआ और आपने एक गोल खा लिया। प्रो लीग में, हमने शुरुआत में ही गोल खा लिए। और यह आपको पीछे धकेल देता है और फिर आपको बराबरी हासिल करने के लिए वापस लड़ना पड़ता है।

डिफेंस भी काफी ढीला रहा है। मैं कहूंगा कि कप्तान हरमनप्रीत सिंह वह नहीं रहे जो हरमनप्रीत कुछ साल पहले थे।

प्रश्न: टीम को और क्या करने की ज़रूरत है?

उत्तर : उन्हें अपनी कमजोरियों और मजबूत पक्षों पर काम करना चाहिए और ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए, न्यूज़ीलैंड के साथ पहला मैच काफी मुश्किल होने वाला है।

न्यूज़ीलैंड को हल्के में नहीं लिया जा सकता, उनके पास दो बहुत ही वरिष्ठ खिलाड़ी हैं, जिनमें से एक साइमन चाइल्ड हैं। मुझे लगता है कि वह अपना चौथा ओलंपिक खेल रहे हैं। हमें ध्यान रखना होगा कि ओलंपिक में हर कोई जीतने के लिए आता है और यह पूरी तरह से अलग खेल है।

यूरो 2024 : ऑस्ट्रिया ने नीदरलैंड को हराया, पोलैंड और फ्रांस का मैच 1-1 से ड्रॉ

डॉर्टमुंड (एजेंसी)। ऑस्ट्रिया ने यूरो 2024 में ग्रुप डी में नीदरलैंड को 3-2 से हराया, जबकि पोलैंड ने ग्रुप प्ले के अंतिम मैच में फ्रांस के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला बर्लिन ओलंपिया स्टेडियम में नीदरलैंड की शुरुआत खराब रही। डोनियल मालेन ने अलेक्जेंडर्स प्रैस के स्क्वायर पास को गोल में तब्दील किया, जिससे ऑस्ट्रिया को छठे मिनट में 1-0 की बढ़त मिल गई।

यहां से नीदरलैंड ने वापसी की कोशिश की, लेकिन टीम ने कई मौके गंवा दिए। हालांकि ऑस्ट्रिया ने आक्रामक रवैया अपनाया रखा। पहले हाफ में ऑस्ट्रिया ने अपनी 1-0 की बढ़त बनाए रखी। दूसरे हाफ के दूसरे मिनट में कोडी गाकपो ने गोल कर नीदरलैंड को 1-1 से बराबरी दिला दी। लेकिन रोनाल्ड कोमैन की टीम के लिए यह खुशी क्षणिक थी। फ्लोरियन ग्रिलिट्श के सटीक क्रॉस से रोमानो श्मिड ने 59वें मिनट पर गोल कर ऑस्ट्रिया को फिर से 2-1 की बढ़त दिला दी।

नीदरलैंड की टीम ने भी हार नहीं मानी और 75वें मिनट में मेम्फिस डेपे ने हेडर से वाउट वेगॉर्स्ट की सहायता से गोल करके स्कोर 2-2 कर दिया। यहां से मुकाबला काफी रोमांचक हो गया, लेकिन ऑस्ट्रिया ने 80वें मिनट में मार्केल सबित्जर की गोल की बदौलत मैच में 3-2 से बढ़त हासिल की और अंत में यह गोल निर्णायक साबित हुआ। ऑस्ट्रिया के मुख्य कोच राल्फ रंगनिक ने कहा, टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। वे हमेशा वापसी करते हैं और वह भी एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ, जो सराहनीय है। हमने यहां एक उत्कृष्ट जीत हासिल की। ग्रुप डी के दूसरे मुकाबले में फ्रांस को पोलैंड के खिलाफ 1-1 से ड्रा खेलना पड़ा। फ्रांस के लिए किलियन एमबाप्पे ने शुरुआती गोल किया, लेकिन अनुभवी स्ट्राइकर रॉबर्ट ने गोल कर पोलैंड को 1-1 से बराबरी दिलाई। इसके बाद दोनों टीमों ने बढ़त बनाने का पूरा प्रयास किया, लेकिन वे गोल नहीं कर सकीं। इस परिणाम के साथ, ऑस्ट्रिया ने छह अंकों के साथ स्टैंडिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया। उसके बाद फ्रांस (5 अंक), नीदरलैंड (4 अंक) और पोलैंड (1 अंक) पर है। पोलैंड के कोच मिशल प्रोबिएरज़ ने कहा, हम पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुके थे, लेकिन फैंस हमें सपोर्ट करने आए। मैं उन सभी प्रशंसकों को धन्यवाद देना चाहता हूं। हमने अंत तक लड़ाई लड़ी।

शेयर बाजार की तेजी का असर, म्यूचुअल फंड्स ने दिया औसत 17 प्रतिशत का रिटर्न

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार के लिए 2024 अब तक शानदार रहा है। शुरुआती करीब 6 महीनों में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के मुख्य सूचकांक सेंसेक्स ने 8 प्रतिशत और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के मुख्य सूचकांक निफ्टी ने 9 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। बाजार में तेजी का असर म्यूचुअल फंड्स स्कीम पर भी दिखा है और निवेशकों को काफी अच्छा रिटर्न मिला है।

एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि देश भर में मौजूद 263 म्यूचुअल फंड स्कीम्स ने 2024 की पहली छमाही (21 जून तक) में करीब 17.67 प्रतिशत का औसत रिटर्न दिया है। रिटर्न देने में मिडकैप और स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड्स काफी आगे रहे हैं। 2024 की शुरुआत से अब तक क्वांट मिडकैप फंड, जेएम मिडकैप फंड, आईटीआई मिडकैप फंड और मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड 30 प्रतिशत से ज्यादा के रिटर्न के साथ टॉप पर है। वहीं, जेएम फ्लेक्सी कैप फंड, क्वांट वैल्यू फंड, क्वांट लार्ज और मिडकैप फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मिडकैप फंड और एलआईसी स्मॉल कैप फंड 27 प्रतिशत से लेकर 29 प्रतिशत के रिटर्न के साथ टॉप 10 में शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेरे प्रदर्शन का श्रेय बुमराह को : अर्शदीप

ग्रोस आइलेट (एजेंसी)। भारत की रणनीतिक प्रतिभा और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के अनुकूल ढलने की क्षमता ने टी20 विश्व कप के सुपर-8 मैच में ऑस्ट्रेलिया पर 24 रन की जीत दिलाई, जिसके बाद तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार गेंदबाजी का श्रेय जसप्रीत बुमराह को दिया है। अर्शदीप ने पहले ओवर में खतरनाक डेविड वॉर्नर को आउट कर भारत के लिए एक शानदार आगाज किया। इसके बाद डेथ ओवरों में उन्होंने बड़े हिटर टिम डेविड और मैथ्यू वेड के महत्वपूर्ण विकेट चटकाए और भारत की जीत की राह आसान की।

अर्शदीप ने पहले ओवर में खतरनाक डेविड वॉर्नर को आउट कर भारत के गेंदबाजी आक्रमण की दिशा तय की। डेथ ओवरों में उन्होंने बड़े हिटर टिम डेविड और मैथ्यू वेड के महत्वपूर्ण विकेट चटकाए, जिससे ऑस्ट्रेलिया की जीत में बाधा उत्पन्न हुई।

अर्शदीप ने इस मैच में 37 रन देकर तीन विकेट लिए। मैच के बाद उन्होंने कहा कि एक खिलाड़ी और एक टीम के तौर पर हमारा लक्ष्य यही था कि हम परिस्थितियों को समझें। जहां तक हवा की बात है तो हमें पवेलियन के दूसरी जगह स्विंग मिल रही थी, लेकिन दूसरे एंड से हमें हवा के विरुद्ध गेंदबाजी करनी थी। उस समय बल्लेबाज हवा की ओर शॉट लगा रहे थे, क्योंकि वहां पर उनको मदद मिल रही थी। तो हमें वहां पर सुरक्षात्मक विकल्प देखने थे और यहीं हवा ने मैच में अहम भूमिका निभाई।

एक समय था जब भारतीय गेंदबाज संघर्ष करते नजर आए, लेकिन तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की अगुवाई में टीम इंडिया ने मैच में वापसी की। अर्शदीप ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि इसका श्रेय जसप्रीत भाई को जाता है। उन्होंने बल्लेबाजों पर दबाव बनाया था। उन्होंने एक ओवर में तीन या चार रन ही दिए, जिससे वे दबाव में आ गए। इसके बाद बल्लेबाजों ने मुझ पर आक्रमण का प्रयास किया और मैं अपनी ही काबिलियत पर गेंदबाजी करता रहा, जिससे मुझे विकेट मिले। दूसरी ओर उन्होंने देखा कि रन नहीं आ रहे हैं और जरूरी रन रेट आगे बढ़ रहा है तो उन्होंने मुझ पर रिस्क लेने की कोशिश की। तो ऐसे में हमेशा विकेट लेने का मौका रहता है। तो मेरे विकेटों का श्रेय जसप्रीत भाई को जाता है। भारत की शानदार गेंदबाजी ने ऑस्ट्रेलिया को 20 ओवरों में 181/7 के स्कोर पर रोक दिया और सेमीफाइनल में जगह पक्की की।

रेलवे का बड़ा फैसला, सफर के दौरान अब यात्रियों को मिलेगी ये खास सुविधा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने सफर के दौरान यात्रियों को आसानी से सस्ती दवाएं उपलब्ध कराने के लिए 61 स्टेशनों पर प्रधानमंत्री जन भारतीय औषधि केंद्र खोलने का निर्णय लिया है। इसका मकसद 'करोड़ों यात्रियों को इमरजेंसी के दौरान रेलवे स्टेशन पर सस्ती कीमत पर दवाएं मिल सके' है।

पिछले कुछ महीनों में 50 स्थानों पर प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र सफलतापूर्वक कार्य शुरू कर चुके हैं। इन 50 केंद्रों में पूर्व मध्य रेलवे में पटना जंक्शन, दरभंगा और पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन पर प्रधानमंत्री जन भारतीय औषधि केंद्र कार्य कर रहे हैं। अब इस पहल की सफलता और लोगों के उत्साह को देखते हुए भारतीय रेलवे ने 61 अन्य स्थानों पर प्रधानमंत्री जन भारतीय औषधि केंद्र के स्टॉल खोलने का निर्णय लिया है। इनमें बिहार के आरा, हाजीपुर, समस्तीपुर, छपरा एवं भागलपुर स्टेशन शामिल हैं। जहां प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र खोले जाएंगे।

इन स्टेशनों पर प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र के स्टॉल खोलने के इच्छुक लोगों से निविदा आमंत्रित किए जा चुके हैं। चयनित निविदाकर्ता को अगस्त के पहले सप्ताह तक आउटलेट का निर्माण पूरा करते हुए सौंप दिया जाएगा। इस महत्वपूर्ण निर्णय से न केवल रोजगार के अवसर पैदा होंगे, बल्कि लोगों को सस्ती कीमतों पर दवाइयां भी मिलेंगी। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्रों का उद्देश्य सभी लोगों, विशेषकर गरीबों और वंचितों के लिए किफायती मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध कराना है। जिससे स्वास्थ्य देखभाल में जेब से होने वाले खर्चे को कम किया जा सके। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र के तहत विभिन्न उत्पादों में 1963 दवाइयां और 293 सर्जिकल उपकरण शामिल हैं।

यूटीसीए डोमेस्टिक टूर्नामेंट हुआ शुरू,अभिजीत गर्ग ने दिलाई रोक जोन को दिलाई जीत

चंडीगढ़ (एजेंसी)। अभिजीत गर्ग (89) रनों की बदौलत शुरु हुये यूटीसीए डोमेस्टिक टूर्नामेंट के मैन्स सीनियर्स के पहले मैच में रॉक जोन ने रोज जोन पर छह विकेट की दर्ज की। मोहाली स्थित लॉचिंग पेड ऐकेडमी में खेले गये इस मैच में रॉक जोन ने टॉस जीतकर विपक्षी टीम को बल्लेबाजी का न्यौता दिया। रोज जोन ने तुषार जोशी के 105 रनों के दम पर निराधारित पचास ओवर्स में 298/6 रन बनाये। रमन बिशनोई (48), निखिल शर्मा (44) और नेहाल पजनी (41) ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। जवाब में अभिजीत गर्ग के अलावा नाबाद निपुण शारदा (61), मनदीप सिंह (58) और गौरव पुरी (52) ने भी अर्धशतक जड़े और टीम को 50वें ओवर में जीत दिलाई।

वहीं दूसरी ओर सेक्टर 36 स्थित गुरु नानक पब्लिक स्कूल में खेले गये वूमैन्स सीनियर्स टी 20 के पहले मुकाबले में नाबाद ट्विंकल ठाकुर की 64 रनों की पारी ने टेरेस जोन को रोक जोन के विरुद्ध 28 रनों की जीत दिलवाई। टेरेस जोन ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुये 155/2 रन बनाये जिसमें ट्विंकल के अलावा नीकिता नैन (45) और सराह महाजन (26) का योगदान भी महत्वपूर्ण रहा। जवाब में कप्तान ज्योति (4/22) की घातक गेंदबाजी ने रॉक जोन को 127/7 पर रोका। रोक जोन की ओर से ट्विंकल पाठक ने सर्वाधिक 47 रन जुटाये। दिन के दूसरे मैच में सुखना जोन ने प्लाजा जोन को एकतरफा मुकाबले में 78 रनों से मात दी। सुखना जोन ने पहले बल्लेबाजी करते हुये 159/5 रना बनाये जिसमें कप्तान अराधना बिष्ट ने पचास रन बनाये। भावना राठौड़ ने नाबाद 25 रन बनाये। जवाब में प्लाजा जोन 81/9 रन की जुटा पाई। कप्तान नंदिनी शर्मा ने 26 रन बनाकर टीम के सर्वाधिक स्कोर खड़ा किया। प्रियंका, मनीशा बधन और भावना राठौड़ ने दो दो विकेट चटकाये।

वहीं दूसरी सेक्टर 45 स्थित सेंट स्टीफंस स्कूल ने गर्ल्स अंडर 19 के टी20 मुकाबले करवाये गये। यहां दिन के पहले मैच में रॉक जोन ने टेरेस जोन पर 43 रनों की जीत दर्ज की। रॉक जोन ने पहले बल्लेबाजी करते हुये कप्तान गुलनाज ग्रेवाल (83) और सिमरप्रीत कौर (58) की मदद से 164/2 रन बनाये। जवाब में टेरेस जोन 121/8 रन ही जुटा पाई। गनिका बंसल (49) टाप स्कोरर रही। दूसरे मुकाबले में सुखना जोन ने एकतरफा मुकाबले में प्लाजा जोन पर नौ विकेट की जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुये नाबाद टाप स्कोरर स्मायरा ठाकुर (48) के योगदान से प्लाजा जोन ने 126/5 रन बनाये। जवाब में विपक्षी कप्तान ओपनिंग कर रही दीप्ति वालिया के ताबड़तोड़ 64 और जसमीत बैदवान (39) ने मात्र एक विकेट के नुकसान पर टीम को 14वें ओवर में ही जीत दिलवाई।

दुनिया का 8वां अजूबा, आखिर इयान स्मिथ ने गुलबदीन को क्यों किया टारगेट?

किंग्सटाउन (एजेंसी)। बांग्लादेश के खिलाफ टी20 विश्व कप के सुपर-8 राउंड के आखिरी मैच में अफगानिस्तान ने जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह पक्की की। वहीं, इस मैच में कोच जोनाथन ट्रॉट और गुलबदीन चर्चा में रहे जिसकी वजह एक अनोखी घटना है। एक तरफ अफगानिस्तान की तारीफ हो रही है, वहीं दूसरी तरफ टीम के ऑलराउंडर गुलबदीन की जमकर आलोचना हो रही है। दरअसल, मैच के दौरान अफगानिस्तान के खेमे में देखा गया कि कोच जोनाथन ट्रॉट खिलाड़ियों को रुकने का इशारा कर रहे हैं। जैसे ही उनका इशारा गुलाबदीन को मिलता है। वह मैदान में चोटिल होने का बहाना बनाकर गिर जाते हैं। जिसके कारण मैच रोकना पड़ा। मैच में देरी इसलिए हुई क्योंकि गुलबदीन लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चले गए और अंततः बारिश के कारण खेल को रोकना पड़ा।

हालांकि, इस घटना का ज्यादा असर नहीं हुआ क्योंकि मैच से केवल एक ओवर कम किया गया और संशोधित लक्ष्य 114 रहा। हैरानी तो तब हुई जब गुलबदीन मैच के फिर से शुरू होने के बाद अगले ही ओवर में मैदान पर वापस आए और तंजीम हसन का विकेट लिया। मैच में कमेंट्री कर रहे इयान स्मिथ ने कहा, पिछले 6 महीनों से मेरे घुटने में दर्द है। मैं मैच के तुरंत बाद गुलबदीन के डॉक्टर से मिलूंगा। वह इस समय दुनिया का 8वां

अजूबा है। पूर्व इंग्लिश क्रिकेटर माइकल वॉन ने इस घटना के मजाकिया पहलू को देखा और घटना की स्पष्टता की ओर इशारा किया।

उन्होंने एक्स पर लिखा कि क्रिकेट की भावना अभी भी जीवित है और आगे बढ़ रही है... यह देखकर खुशी हुई है कि गुलबदीन इतिहास में ऐसे पहले खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने चोटिल होने के 25 मिनट बाद ही विकेट चटका दिया। इस घटना पर सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। ऑस्ट्रेलिया के स्टार स्पिनर एडम जाम्पा ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी डाली और लिखा, पुरानी रेनस्टिंग, जिसका मतलब है कि बारिश की वजह से हैमस्ट्रिंग की समस्या हुई। क्रिकेट में ये हरकतें एक बार की बात हो सकती है, लेकिन फुटबॉल के प्रशंसक खिलाड़ियों को समय बर्बाद करने के लिए चोट का नाटक करते हुए देखने के आदी हो चुके हैं। रविचंद्रन अश्विन ने दोनों खेलों के बीच समानता देखी और एक्स पर लिखा कि गुलबदीन के लिए रेड कार्ड। जिस पर गुलबदीन ने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया, कभी खुशी कभी गम में निकलता है हैमस्ट्रिंग। टी20 विश्व कप के पहले सेमीफाइनल में अफगानिस्तान का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा, जबकि भारत का सामना दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड से होगा। दोनों मैच गुरुवार, 27 जून (आईएसटी) को खेले जाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रोहित को बल्लेबाजी करते देखना सपने जैसा : सूर्यकुमार

ग्रोस आइलेट (एजेंसी)। सूर्यकुमार यादव ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 विश्व कप के सुपर-8 मुकाबले में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की 41 गेंदों में 92 रन की तूफानी पारी से काफी खुश हैं। रोहित का प्रदर्शन अविश्वसनीय था। उन्होंने जिस तरह दुनिया के सबसे खतरनाक गेंदबाजों के खिलाफ बेखौफ और आक्रामक रवैया अपनाया वह सराहनीय था।

पहले ओवर से ही उन्होंने मैदान में चल रही तेज हवा का फायदा उठाया। उनकी पारी ने भारत के लिए एक मजबूत लय स्थापित की, जिससे पावरप्ले के अंत तक टीम एक मजबूत स्थिति में पहुंच गई। सूर्यकुमार यादव ने पारी के ब्रेक के दौरान कहा, यह एक सपने जैसा लगा, उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की। यहां आने से पहले हम एक साथ बैठे, हमने इस बारे में बात की कि हम कैसे खेलना चाहते हैं और हम किस तरह का क्रिकेट खेलना चाहते हैं और उन्होंने हमें रास्ता दिखाया। मैच के बाद रोहित ने कहा, मैंने पहले ओवर से ही सोचा था कि तेज हवा बह रही है। उन्होंने अपनी योजना बदली, हवा के विपरीत गेंदबाजी की। इसलिए, मुझे लगा कि मुझे ऑफ-साइड पर ज्यादा फोकस करना होगा।

रोहित की शानदार पारी और अर्शदीप के महत्वपूर्ण विकेटों की बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत दर्ज की। इसी के साथ टीम ने 27 जून को गुयाना में गत चैंपियन इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस मैच का विजेता दो दिन बाद बारबाडोस में होने वाले खिताबी जंग में पहुंचेगा। भारत ने पांच विकेट पर 205 रन का मजबूत स्कोर बनाया और ऑस्ट्रेलिया की चुनौती को सात विकेट पर 181 रन पर थाम लिया।

संपादकीय

जीएसटी परिषद की बैठक में दूरगामी निर्णय

जीएसटी परिषद की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मोदी सरकार के तीसरी बार सत्ता में आने के बाद जीएसटी परिषद की इस पहली बैठक में रेलवे प्लेटफार्म टिकट, विश्राम कक्ष और प्रतीक्षालय सुविधाओं को जीएसटी मुक्त करने के महत्त्वपूर्ण फैसले के साथ ही सभी तरह के दूध के डिब्बों पर 12 फीसद की एक समान जीएसटी दर रखने का प्रस्ताव किया गया।

बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि अनुपालन बोझ कम करने और करदाताओं को राहत देने की गरज से भी कई सिफारिश की गई। कोशिश है कि कारोबारी सुगमता के लिए व्यवसायों के लिए प्रक्रियात्मक जटिलताएं कम की जाएं।

परिषद ने जीएसटी पंजीकरण आवेदकों के लिए बायोमीट्रिक-आधारित आधार प्रमाणीकरण के चरणबद्ध रोलआउट की सिफारिश की है। वित्त वर्ष 2017-18, 2018-19 तथा 2019-20 के लिए जीएसटी अधिनियम की धारा 73 के तहत जारी रिमांड नोटिस पर ब्याज जुर्माना माफी की भी सिफारिश है। यह धारा उन मामलों से संबंधित है जिनमें धोखाधड़ी, दमन या गलतबयानी शामिल नहीं हैं। जो करदाता 31 मार्च, 2025 तक नोटिस में मांगी गई पूरी कर राशि का भुगतान करते हैं, उन्हें इस छूट से लाभ होगा।

किसी चालान या डेबिट नोट पर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ लेने संबंधी मंजूरी भी दी जा रही है। छोटे करदाताओं को भी इस रूप में राहत मिलने वाली है कि वित्त वर्ष 2024-25 और उसके बाद के वर्षो के लिए रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा 20 अप्रैल से बढ़ा कर 30 जून की जाएगी।

परिषद ने स्पष्ट किया है कि सभी प्रकार के स्प्रिंकलर पर 12 फीसद की एक समान जीएसटी दर लागू होगी। दूध के सभी डिब्बों पर उनकी सामग्री (स्टील, लोहा, एल्यूमीनियम) की परवाह किए बिना एक समान दर 12 फीसद की सिफारिश की गई है। हिमाचल और जम्मू-कश्मीर के सेब उत्पादकों की अरसे से मांग को ध्यान में रखते हुए सभी प्रकार के कार्टन बक्सों और नालीदार व गैर-नालीदार कागज या पेपरबोर्ड, दोनों से बने उत्पादों के लिए 12 फीसद जीएसटी का प्रस्ताव है। वित्त मंत्री ने पेट्रोल व डीजल को जीएसटी के तहत लाने की सरकार की मंशा भी दोहराई। दरअसल, सिफारिशों में कारोबारी सुगमता को ध्यान में रखा गया है।

बढ़ते प्रदूषण से जान और जहान खतरे में

कहते हैं कि जान है तो जहान है, लेकिन भारत में बढ़ते प्रदूषण के कारण जान और जहान, दोनों ही खतरे में हैं। देश की हवा में घुलते प्रदूषण का 'जहर' अनेक बार खतरनाक स्थिति में पहुंच जाना चिंता का बड़ा कारण हैं। प्रदूषण की अनेक बंदिशों एवं हिदायतों के बावजूद प्रदूषण नियंत्रण की बात खोखली साबित हो रही है। यह कैसा समाज है जहां व्यक्ति के लिए पर्यावरण, अपना स्वास्थ्य या दूसरों की सुविधा-असुविधा का कोई अर्थ नहीं है। जीवन-शैली ऐसी बन गई है कि आदमी जीने के लिए सब कुछ करने लगा पर खुद जीने का अर्थ ही भूल गया। गंभीर होती इस स्थिति को यूनिसेफ और अमेरिका के स्वतंत्र अनुसंधान संस्थान 'हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट' की साझेदारी में जारी रिपोर्ट ने बयां किया है। रिपोर्ट के आंकड़े करने वाले हैं, जिनमें 2021 में वायु प्रदूषण से 21 लाख भारतीयों के मरने की बात कही गई है।

दुखद यह है कि मरने वालों में 1.69 लाख बच्चे हैं। निश्चय ही ये आंकड़े जहां व्यथित और चिंतित करने वाले हैं वहीं नीति-नियंताओं के लिए शर्म का विषय होना चाहिए। सरकार की नाकामयियां ही हैं कि जिंदगी विषमताओं और विसंगतियों से घिरी है, कहीं से रोशनी की उम्मीद दिखाई नहीं दे रही है। जानलेवा वायु प्रदूषण न केवल भारत, बल्कि दुनिया के लिए गंभीर समस्या है। चीन में भी इसी कालखंड में 23 लाख लोग वायु प्रदूषण से मरे हैं। जहां तक पूरी दुनिया में इस वर्ष मरने वालों की संख्या की बात है तो यह करीब 81 लाख बताई जाती है।

चिंता की बात यह है कि भारत और चीन में वायु प्रदूषण से मरने वालों की संख्या के मामले में यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर 54 फीसद है जो हमारे तंत्र की विफलता, गरीबी और प्रदूषण नियंत्रण में कोताही को दर्शाता है। इसमें आम आदमी की लापरवाही भी कम नहीं है। उसे पता ही नहीं होता कि किन प्रमुख कारणों से वह प्रदूषण फैला रहा है। प्रश्न है कि आम आदमी एवं उसकी जीवनशैली वायु प्रदूषण को इतना बेपरवाह होकर क्यों फैलाती है? क्यों आदमी मृत्यु से नहीं डर रहा? प्रदूषण जैसी समस्याएं नये-नये मुखौटे ओढ़ कर डराती हैं। विडम्बना तो यह है कि विभिन्न राज्य सरकारें विकट होती समस्या का हल निकालने की बजाय राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप लगाती रहती हैं। जानबूझकर प्रदूषण फैलाती हैं ताकि एक-दूसरे की छीछालेदर कर सकें। प्रदूषण के नाम पर कोरी राजनीति होना दुर्भाग्यपूर्ण है। दिल्ली सहित उत्तर भारत के ज्यादातर इलाकों में प्रदूषण का बेहद खतरनाक स्थिति में बने रहना चिंता में डालता है।

दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुरु ग्राम में प्रदूषण का बड़ा कारण पड़ोसी राज्यों से आने वाला पराली का धुआं होता है। पटाखों का धुआं भी समस्या है, इसके अलावा सड़कों पर लगातार बढ़ते निजी वाहन, गुणवत्ता के ईंधन का उपयोग न होना, निर्माण कार्य खुले में होना, उद्योगों की घातक गैसों व धुएं का नियमन न होने एवं बढ़ता धूम्रपान जैसे अनेक कारण वायु प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। आवासीय कॉलोनियों और व्यावसायिक संस्थानों का विज्ञानसम्मत ढंग से निर्माण न हो पाना भी प्रदूषण बढ़ाने की वजह है। यह कैसी शासन-व्यवस्था है? अदालतों की कैसी अवमानना का मामला है? यह सभ्यता की निचली सीढ़ी है, जहां तनाव-ठहराव की स्थितियों के बीच व्यक्ति, शासन-प्रशासन प्रदूषण नियंत्रण के दायित्वों से दूर होता जा रहा है। यूनिसेफ की रिपोर्ट में वायु प्रदूषण से 1 लाख 69 हजार बच्चे, जिनकी औसत आयु पांच साल से कम बताई गई है, मौत के शिकार होते हैं। प्रदूषण का प्रभाव गर्भवती महिलाओं पर होने से बच्चे समय से पहले जन्म ले लेते हैं, इनका समुचित शारीरिक विकास ढंग से नहीं हो पाता। बच्चों का कम वजन का पैदा होना, अस्थमा तथा फेफड़ों की बीमारियां से पीड़ित होना जैसी शिकायतें आम हैं। चिंता की बात यह भी है कि गरीब मुल्कों नाइजीरिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश, इथोपिया से ज्यादा बच्चे हमारे देश में वायु प्रदूषण से मर रहे हैं। विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन के संकट ने वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों की संख्या को बढ़ाया है। एक अरब चालीस करोड़ जनसंख्या वाले भारत के लिए संकट बड़ा है। दिल्ली सहित कई महानगरों में प्रदूषण जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गया है। हर कुछ समय बाद अलग-अलग वजहों से हवा की गुणवत्ता का स्तर 'बेहद खराब' की श्रेणी में दर्ज किया जाता है और सरकार की ओर से स्थिति में सुधार के लिए तमाम उपाय करने की घोषणा की जाती है। हो सकता है कि ऐसा होता भी हो, लेकिन सच यह है कि कुछ समय बाद प्रदूषण का स्तर गहराने के साथ सवाल खड़ा होता है कि आखिर, इसकी असली जड़ क्या है, और क्या सरकार की कोशिशें सही दिशा में हो पा रही हैं? पिछले कई सालों से दुनिया के पहले बीस प्रदूषित शहरों में भारत के कई शहर दर्ज होते रहे हैं। जाहिर है, हम वायु प्रदूषण के दिनोंदिन गहराते संकट से निपट पाने में तो कामयाब हो नहीं पा रहे, बल्कि जानते-बूझते ऐसे काम करने में जरा भी नहीं हिचकिचा रहे हैं, जो हवा को और जहरीला बना रहे हैं। हम नैतिक, आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक एवं व्यक्तिगत, सभी क्षेत्रों में मनोबल के दिवालिएपन के कगार पर आ खड़े हुए हैं।

टीनएजर्स पर कितनी रोक-टोक लगाना सही, जानें उन्हें कैसे दिया जाए स्पेस?

बच्चा जब टीनएज में पहुंच जाता है तो वह अक्सर अपनी प्राइवेसी और स्पेस को लेकर नाराजगी जताने लगता है. अगर आप भी टीनएजर्स के पैरेंट्स हैं तो आपने भी तमाम ऐसी सिचुएशंस का सामना किया होगा, जिसमें बच्चा इस तरह की बातें करता है. ऐसे में पैरेंट्स कई बार कंफ्यूज हो जाते हैं कि जिन बच्चों को एक वक्त पर हर समय उनकी जरूरत होती थी, वे अब आजादी जैसी बातें क्यों करने लगे हैं? आइए आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिनसे आप समझ पाएंगे कि टीनएज में पहुंच चुके बच्चों को कैसे समझा जाए.

बच्चों की भलाई के लिए सभी पैरेंट्स सोचते हैं, जो कि एक नॉर्मल प्रक्रिया है. हालांकि, उन्हें कभी इस बात से भी इनकार नहीं करना चाहिए कि प्राइवेसी का अधिकार हर किसी के लिए है. जब बच्चा टीनएज में पहुंच जाता है तो उसके पास अपने दोस्तों से बातचीत करने के लिए तमाम टॉपिक हो सकते हैं. इनमें नए क्रश पर चर्चा से लेकर करियर गोल्स तक शामिल हो सकते हैं. ऐसे में पैरेंट्स को यह समझना जरूरी है कि अब बच्चे अपनी हर बात आपसे शेयर नहीं कर सकते हैं. ऐसे में उनकी पहचान का सम्मान करना जरूरी हो जाता है. अगर हम उनकी बातों को सम्मान करेंगे तो वे खुद ही अपने सीक्रेट्स पैरेंट्स को बताने के लिए तैयार रहेंगे.

बच्चों की प्राइवेसी जरूरी है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं होता कि उन्हें आपकी जरूरत नहीं है. हर बच्चा अलग होता है और अलग तरीके से काम करता है. अगर पैरेंट्स उन पर ध्यान नहीं देते हैं तो बच्चा अक्सर पूछ लेता है कि मैंने तो आपको बताया था.. क्या आपने मेरी बात सुनी थी. पैरेंट्स को हमेशा इस तरह की सिचुएशन से बचना चाहिए.

डिजिटल युग के दौरान बच्चों में भी कल्चरल बदलाव भी आ रहा है. जैसे वे देर रात में बाहर जाने के लिए बड़ों से परमिशन लेना पसंद नहीं करते हैं. भले ही यह आपके परिवार में कॉमन न हो. ऐसे में आपको बच्चों के साथ बैलेंस बनाने की जरूरत होती है, जिससे आपके बच्चे अनकंफर्टेबल महसूस न करें. आप अपने बच्चे को अनुशासन में रखने की जगह महीने में दो बार अपने दोस्तों के साथ मस्ती करने की परमिशन दे सकते हैं.

आपातकाल में संघ की भूमिका महत्वपूर्ण अध्याय

भारतीय राजनीति में जब कभी भी लोकतांत्रिक इतिहास का कलंकित अध्याय खोला जाएगा, तो वह तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा सांविधानिक प्रावधानों की निर्मम हत्या कर देश में आपातकाल की घोषणा 25 जून की मध्यरात्रि ही रहेगा। आपातकाल महज नागरिक स्वतंत्रता को निलंबित करना एवं समाज में पुनः निरंकुश कानून को स्थापित करना भर नहीं था, बल्कि इलाहबाद उच्च न्यायालय में गांधी की एकतरफा हार का प्रमुख कारण रहा। तत्पश्चात अपने हजारों राजनीतिक विरोधियों को गिरफ्तार किया गया, प्रेस की स्वतंत्रता को कम कर दिया गया और सरकार के लिए खतरा माने जाने वाले संगठनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया। उन संगठनों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस.) एक प्रभावशाली संगठन था।

इसके बाद जो हुआ, वह आरएसएस के इतिहास के सबसे उल्लेखनीय अध्यायों में से एक 'निष्क्रिय प्रतिरोध आंदोलन' था, जिसने प्रतिबंध की पुरज़ोर अवहेलना की और अपने संगठनात्मक ढाँचे को काफी हद तक अक्षुण्ण रखा और आपातकाल का विरोध करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस प्रतिरोध के शीर्ष पर संघ के तत्कालीन सरसंघचालक मधुकर दत्तात्रेय देवरस (बालासाहेब देवरस) थे। उन्होंने अपनी गिरफ्तारी से पूर्व कार्यकताओं और स्वयंसेवकों को संबोधित किया और कहा कि, 'इस असाधारण स्थिति में, स्वयं सेवक अपना संतुलन खोने के लिए बाध्य नहीं हैं। 26 जून, 1975 की सुबह जैसे ही आपातकाल की घोषणा की खबर पूरे भारत में फैली, देश में अविश्वास और भय की भावना फैल गई।

आपातकाल का लागू होना राजनीतिक उथल-पुथल, आर्थिक चुनौतियों और इंदिरा गांधी की बढ़ती सत्तावादी प्रवृत्तियों के दौर की परिणति के रूप में आया। संघ, जो लंबे समय से गांधी की चुनिंदा नीतियों की आलोचना करता रहा, आपातकाल की घोषणा के कुछ ही घंटों के भीतर उनके प्रमुख नेताओं को घेर लिया गया और गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि यह संघ की दूरदर्शिता ही थी कि शीर्ष नेतृत्व ने इस तरह के कदम का पूर्वानुमान लगा लिया था।

आपातकाल से कुछ समय पूर्व जैसे-जैसे राजनीतिक तनाव बढ़ा, बालासाहब देवरस और संघ के अन्य वरिष्ठ नेतृत्व ने आकस्मिक योजनाएं बनानी शुरू कर दी थीं। उन्हें दृढ़ विश्वास था कि संगठन की यह तैयारी उस तूफान का अपनी क्षमतापूर्वक सामना करने में महत्त्वपूर्ण साबित होगी जो इसे घेरने वाला था और जनकल्याण हेतु कार्य में विघ्न उत्पन करने वाला था। संघ के वरिष्ठ प्रचारक और लोक संघर्ष समिति के संयोजक, नानाजी देशमुख (जिन्होंने 1977 में जनता पार्टी के बैनर तले विपक्ष को एक साथ लाने में अहम भूमिका निभाई) और के. एस. सुदर्शन ने भी पत्रों के माध्यम से विभिन संगठनों के साथ भी संवाद किया। संघ पर सरकार की कार्रवाई त्वरित और कठोर थी। शीर्ष नेतृत्व से लेकर स्थानीय स्तर के हजारों कार्यकर्ताओं एवं स्वयंसेवकों तक को गिरफ्तार किया गया और जेल में डाल दिया गया।

संगठन के कार्यालयों पर छापे मारे गए और दस्तावेज के साथ संपत्ति भी जब्त कर ली गई। 4 जुलाई, 1975 को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा माने जाने वाले कई अन्य संगठनों के साथ संघ को आधिकारिक रूप से 'मीसा कानून' के अंतर्गत प्रतिबंधित कर दिया गया था। इस भारी-भरकम दृष्टिकोण के बावजूद संघ नई वास्तविकता के लिए पुनः अनुकूल होने में कामयाब रहा। संघ ने अपने स्थानीय शाखाओं की अनूठी संरचना से राष्ट्र में व्याप्त भय के वातावरण में भी विकेंद्रीकृत नेतृत्व के साथ जनमानस तक केंद्र सरकार की निरंकुश नीतियों का दमन और समाज में अन्य वर्ग के लोगों की सहायता से कई प्रचार-प्रसार के कार्य सफलतापूर्वक किया, जिसमें स्वयंसेवकों के अलावा सामान्य जनता का भी सरकार के प्रति रोष संघ के लिए अतुलनीय योगदान के रूप में सिद्ध हुआ। वर्ष 1975 के अंत में जेल से बाहर आकर आपने संदेश में देवरस ने लिखा- 'वर्तमान संकट वैचारिक मतभेदों से परे है। लोकतंत्र और कानून के शासन में विश्वास रखने वाले सभी लोगों को हमारे मौलिक अधिकारों पर इस हमले का विरोध करने के लिए एक साथ आना चाहिए। इस निर्देश से संघ और अन्य विपक्षी समूहों के बीच सहयोग बढ़ा, जिसमें समाजवादी और मध्यमार्गी शामिल थे। देवरस ने अहिंसक प्रतिरोध के महत्व पर भी जोर दिया।

उन्होंने स्वयंसेवकों को निर्देश दिया कि वे अधिकारियों के साथ टकराव से बचें जो हिंसा का कारण बन सकते हैं, इसके बजाय सविनय अवज्ञा और भूमिगत संगठनात्मक कार्य पर ध्यान केंद्रित करें। अपनी औपचारिक संरचनाओं के बाधित होने के कारण आरएसएस ने संगठन को सुचारू रूप से सक्रिय रखने के लिए भूमिगत संचालन के सबसे उल्लेखनीय पहलुओं में से एक इसकी दैनिक शाखाओं की निरंतरता को रखा। आपातकाल के दौरान संघ ने भारत के सबसे काले समय में लोकतांत्रिक परिवर्तन की संभावना को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई। चाहे कोई संघ की विचारधारा से सहमत हो या नहीं, आपातकाल के दौरान इसकी भूमिका को भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में एक महत्त्वपूर्ण अध्याय के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए।

खाते वक्त बंद कर दें अपना फोन, वरना शरीर में आ सकती हैं कई खतरनाक बीमारियां

हर पल साथ रहने वाला फोन ही हमें बीमार बना रहा है. इसकी वजह से कई तरह की समस्याएं हो रही हैं. इतना ही नहीं पेट में भी एक खतरनाक बीमारी फैल रही है. एक्सपर्ट्स के मुताबिक, आजकल हम अपने गैजेट्स हर जगह लेकर जाते हैं. यहां तक कि बाथरूम में भी इसे नहीं छोड़ते हैं. जिसकी वजह से गैजेट्स पर कई बैक्टीरिया पाए गए हैं, जिनसे बीमारियां फैल सकती हैं.

फोन से हमेशा हीट निकलती है, ऐसे में यह बैक्टीरिया के लिए सबसे सुरक्षित जगह होती है. स्क्रीन पर बैक्टीरिया के अलावा वायरस, फंगी और प्रोटोजोआ भी जम जाते हैं, जिनसे डायरिया, फूड पॉइजनिंग, सांस की बीमारी और स्किन इंफेक्शन का खतरा हो सकता है.

किन-किन लोगों को खतरा

फिटनेस ट्रैक करने के लिए स्मार्ट वॉच पहनने वालों को भी सावधान रहना चाहिए. इसके बैंड और स्क्रीन पर भी कई तरह के खतरनाक बैक्टीरिया पो जाते हैं, जो स्किन इंफेक्शन, टॉक्सिक शॉक सिंड्रोम, ब्लड, लंग्स में निमोनिया या अन्य अंगों में इंफेक्शन और दस्त की वजह बन सकते हैं. ऐसे लोग जिनकी इम्यूनिटी कमजोर है, उन्हें सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचता है. कई-कई घंटों तक ईयरफोन या ईयरपॉड पहने रहने से कान का तापमान और नमी बढ़ जाती है, जिससे संक्रमण का रिस्क रहता है. स्मार्टफोन की सतह पर स्टैफिलोकोकस ऑरियस नाम का जीवाणु मिलता है. इसे स्टैफ भी कहा जाता है, जो स्किन इंफेक्शन को बढ़ा सकता है. इस बैक्टीरिया के संपर्क में आने से फूड पॉइजनिंग का खतरा भी रहता है, इसलिए खाने के समय गैजेट्स का इस्तेमाल बिल्कुल भी न करें, क्योंकि गैजेट्स के जरिए बैक्टीरिया हाथ, चेहरे और मुंह तक आसानी से पहुंच सकता है.

फोन या गैजेट्स पर एस्चेरिचिया कोलाई या ई-कोलाई नाम के बैक्टीरिया भी पाए जाते हैं, जो गंभीर संक्रमण पैदा कर सकते हैं. इसकी वजह से गंभीर दस्त, यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन और किडनी की बीमारी हो सकती है. स्ट्रेप्टोकोकस पायोजेन्स बैक्टीरिया गले और स्किन इंफेक्शन को बढ़ा सकता है. ये फोन की सतहों पर लंबे समय तक जिंदा रहते हैं. इससे इनके फैलने का खतरा भी ज्यादा होता है. फोन पर स्यूडोमोनस ऐरुगिनोसा बैक्टीरिया भी पाया जाता है, जो सांस में इंफेक्शन, यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन और ब्लड इंफेक्शन का कारण बन सकता है. एक रिसर्च के मुताबिक, 26 मोबाइल फोन पर 11,163 माइक्रो जीव पाए गए हैं, जो खतरनाक तरह की बीमारियों का कारण बन सकते हैं. इससे बचने के लिए कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए. गैजेट की स्क्रीन और बैक कवर को माइक्रोफाइबर कपड़े या अल्कोहल वाइप्स से रोजाना सही तरह से साफ करें.

विकास की पहुंच अंतिम छोर तक सुगम करने प्रदेश सरकार का भगीरथ प्रयास नियद नेल्लानार

ताराशंकर सिन्हा

21वीं सदी के सभ्य समाज वाले इस दौर में विकास अपने पर चहुंओर फैला रहा है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी और आधुनिक तकनीकों के बूते मनुष्य प्रगति के नित नए सोपान तय कर रहा है। नैसर्गिक सौंदर्य और प्राकृतिक सम्पदाओं से परिपूर्ण दण्डकारण्य क्षेत्र (बस्तर) भी आधुनिकता की राह चल पड़ा है, किन्तु अपनी सांस्कृतिक धरोहरों, परम्पराओं और विरासतों से सहज व अविरल स्नेह रखने वाले वनवीर (आदिवासी) आज भी शासन की योजनाओं का समुचित लाभ नहीं ले पा रहे हैं। समाज के अंतिम छोर तक विकास की पहुंच सुलभ कराने के दृढ़-संकल्प के साथ प्रदेश की साय सरकार पिछले छह माह से विभिन्न योजनाएं चला रही हैं। इन्हीं में से एक महत्वाकांक्षी योजना है- नियद नेल्लानार। विभिन्न विभागों में संचालित 34 व्यक्तिमूलक योजनाओं को बस्तर के माओवादी प्रभावित क्षेत्रों में घर-घर पहुंचाने संवेदनशील क्षेत्रों में स्थित गांवों में शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। सुदूर बीहड़ क्षेत्रों में निवासरत आदिवासियों को अब शिविरों के माध्यम से योजनाओं की जानकारी ही नहीं, बल्कि मौके पर तात्कालिक लाभ भी मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने उक्त योजना को विस्तार देने 20 करोड़ रूपए के अतिरिक्त बजट का प्रावधान भी किया है।

क्या है नियद नेल्लानार योजना : 'नियद नेल्लानार' का शाब्दिक अर्थ है- आपका अच्छा गांव, जो एक दण्डामी बोली का शब्द है। विकास से किंचित अछूते ग्रामों में सुशासन की परिकल्पना, पराकाष्ठा व प्रतिबद्धता के साथ छत्तीसगढ़ सरकार ने यह योजना लागू की है। इसके तहत प्रभावित क्षेत्र में पांच किलोमीटर की परिधि में आने वाले गांवों में मूलभूत आवश्यकताओं व सुविधाओं को शत-प्रतिशत ग्रामीणों तक पहुंचाने प्रदेश सरकार भगीरथ प्रयास कर रही है, जहां सड़क, विद्युत, पीडीएस सेंटर, आंगनबाड़ी केन्द्र, स्कूल, उपस्वास्थ्य केन्द्र, पेयजल एवं कृषि सिंचाई की सुविधाएं, पंचायत एवं सामुदायिक भवन निर्माण, मोबाइल नेटवर्क आदि जरूरतों को सम्मिलित किया गया है। कांकेर जिले के कोयलीबेड़ा विकासखण्ड में ऐसे ही पांच गांव चिन्हांकित किए गए हैं जहां राज्य शासन के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा कैम्प लगाकर ग्रामीणों को मौके पर ही सेवाएं एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। इनमें ग्राम पंचायत पानीडोबीर और आलपरस के आश्रित ग्राम हितुलबेड़ा, हिचाकोट, हेटारकेसा, गुंदुल व अलपर शामिल हैं जहां तिथिवार समाधान शिविर लगाए जा रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों को शासन की योजनाओं से जोड़ने इन शिविरों में आधार पंजीयन, बैंक खाते, आयुष्मान कार्ड, स्वास्थ्य जांच कार्ड, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, वन अधिकार मान्यता पत्र, सामाजिक पेंशन योजना, सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, शौचालय निर्माण, नोनी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व वंदना योजना, ड्रायविंग लायसेंस, जन्म प्रमाणपत्र सहित राजस्व विभाग के तहत नक्शा, खसरा निर्माण, जाति, निवास, आय प्रमाण-पत्र, भूमि सीमांकन, नामांतरण बंटवारा, ऋण पुस्तिका निर्माण, आरबीसी 6-4 के तहत आर्थिक सहायता आदि के लिए कैम्प लगाकर समाधान किया जा रहा है।

मिलेगी 500 युनिट तक की निःशुल्क बिजली- नियद नेल्लानार के तहत प्रदेश सरकार द्वारा चालू वित्तीय वर्ष में 20 करोड़ का प्रावधान किया गया है, ताकि माओवादी प्रभावित क्षेत्र का कोई भी व्यक्ति शासन की सुविधाओं से वंचित न रहे। साथ ही इन गांवों में 500 युनिट तक की बिजली निःशुल्क कर दी गई है जिसका प्रत्यक्ष लाभ इन क्षेत्रों में निवासरत ग्रामीणों को मिल सके। इस तरह प्रदेश में विकास की गंगा बहाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार अपने छह महीने की अल्पावधि में प्रदेश की जनता के जीवन को सुगम और सुगढ़ बनाने सतत् भगीरथ प्रयास कर रही है। नियद नेल्लानार योजना वनवीरों को उनके गांव और घर तक सुविधा मुहैया कराने का एक बेहतर प्लेटफॉर्म साबित हुई है, जो प्रतिकूल परिस्थितियों का दंश झेल रहे ग्रामीणों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

सांवलेपन के कारण बॉलीवुड की ये अभिनेत्रियां झेल चुकी हैं रिजेक्शन

भारतीय सिनेमा की कुछ अभिनेत्रियों ने बेबाक तरीके से अपनी बात रखी है। ऐसे में कुछ अभिनेत्रियों ने यह भी बताया है कि आखिर उन्हें क्यों रिजेक्ट किया गया था। फिल्म इंडस्ट्री में नेपोटिज्म को लेकर लोग हमेशा बात करते हैं लेकिन क्या आपको पता है फिल्म इंडस्ट्री में सांवलेपन को लेकर भी कुछ अभिनेत्रियां को रिजेक्शन मिल चुका है। यही कारण है कि सेलेब्स फेयरनेस के लिए कई सारे कॉस्मेटिक सर्जरी करवाते हैं। आज के इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि सांवलेपन के कारण किन अभिनेत्रियां को रिजेक्शन का सामना करना पड़ा है।

शोभिता धुलिपाला: शोभिता धुलिपाला के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ था। शोभिता धुलिपाला ने साल 2010 में बतौर मॉडल अपने करियर की शुरुआत की थी। इतना ही नहीं वह 2013 में मिस इंडिया प्रतियोगिता में फाइनलिस्ट भी रह चुकी हैं। ऐसे में लोग उन्हें जानने लगे थे, हालांकि यह सब उनकी एक्टिंग इंडस्ट्री के लिए काफी नहीं था। इस बात का खुलासा खुद अभिनेत्री ने किया है। उन्होंने कहा है कि उन्हे कई बार सांवलेपन के कारण रिजेक्शन का सामना करना पड़ा था। वह कहती हैं- एक विज्ञापन ऑडिशन के दौरान मुझे सामने से कहा गया था कि मैं गोरी नहीं हूं इसलिए वह मुझे सेलेक्ट नहीं कर सकते हैं। मैंने केवल इंडस्ट्री में कदम रखने के लिए 1,000 ऑडिशन दिए हैं।

हिना खान : टीवी से लेकर बालीवुड में पहचान बनाने वाली हिना खान के लिए इंडस्ट्री में कदम रखना इतना आसान नहीं था। हिना खान को भी कई बार सांवलेपन के कारण रिजेक्शन का सामना करना पड़ा है। इस बात का खुलासा खुद एक इंटरव्यू के दौरान हिना ने किया था। उन्होंने कहा था कि- केवल मेरे सांवलेपन के कारण मुझे एक प्रोजेक्ट से हटा दिया गया था। हिना भले कश्मीरी हो लेकिन उनका रंग सांवला है।

प्रियंका चाहर चौधरी : इन दिनों प्रियंका चाहर चौधरी को भले काम मिलने लगे हो लेकिन एक समय उनके सांवलेपन के कारण उन्हें भी रिजेक्शन का सामना करना पड़ा है। प्रियंका चाहर चौधरी के हाथ से कई सारे प्रोजेक्ट्स निकल चुके हैं। इस बात का खुलासा खुद अभिनेत्री ने किया है। वह कहती हैं कि- मुझे कई बार बिना ऑडिशन दिए ही मुंह पर कह दिया जाता था कि तुम बहुत सांवली हो।

आमिर की फिल्म से टकराएगी वरुण की 'बेबी जॉन'

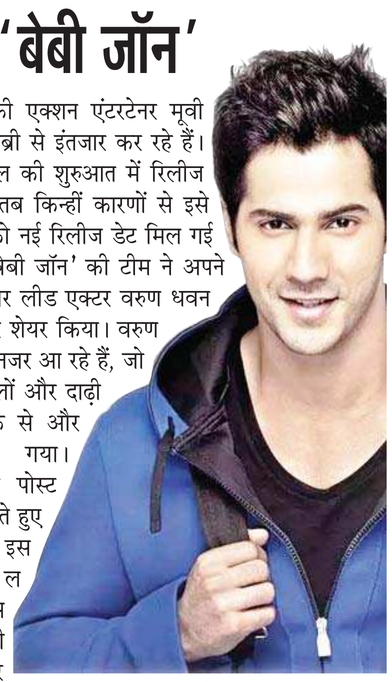

एक्टर वरुण धवनठ्की एक्शन एंटरटेनर मूवी 'बेबी जॉन' का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म को पहले इस साल की शुरुआत में रिलीज किया जाना था, लेकिन तब किन्हीं कारणों से इसे टाल दिया गया। अब फिल्म को नई रिलीज डेट मिल गई है। बुधवार (26 जून) को 'बेबी जॉन' की टीम ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लीड एक्टर वरुण धवन के साथ एक नया पोस्टर शेयर किया। वरुण एक इंटेंस अवतार में नजर आ रहे हैं, जो उनके लंबे बालों और दाढ़ी वाले लुक से और भी बढ़ गया। मेकर्स ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, इस साल क्रिसमस और भी शानदार हो गई है। 25 दिसंबर को रिलीज होने वाली बेबी जॉन के लिए तैयार हो जाइए आमिर खान की फिल्म 'सितारे जमीन पर' से क्लैश हो सकता है, जिसे क्रिसमस पर ही रिलीज करने की प्लानिंग है। बेबी जॉन' के डायरेक्टर एटली हैं, जिन्होंने पिछले साल फैंस को शाहरुख खान के साथ 'जवान' फिल्म का तोहफा दिया था। 'बेबी जॉन' पर काफी समय से काम चल रहा है।

'बाहुबली' के बाद 'कल्की 2898' होगी प्रभास की ऐतिहासिक ओपनिंग

भारतीय सिनेमा में बाहुबली ने जो प्रभाव छोड़ा, उसे दोहराना किसी के लिए भी असंभव सा लगने लगा था. प्रभास के रिकॉर्ड को सिर्फ प्रभास ही तोड़ सकते हैं और इस बात को एक बार फिर साबित करने जा रहे हैं अपनी नई फिल्म 'कल्की 2898 एडी' के साथ. फिल्म की एडवांस बुकिंग ने पहले ही सभी को हैरान कर दिया है. 'बाहुबली' की टीम के प्रभास और एसएस राजामौली की जोड़ी ने पहले आरआरआर से 200 करोड़ से ज्यादा की ओपनिंग कलेक्शन की थी. अब ऐसा लग रहा है कि 'कल्की 2898 एडी' उससे भी आगे निकलने वाली है.

600 करोड़ रुपये के बजट के साथ 'कल्की 2898 एडी' भारत की सबसे महंगी फिल्मों में से एक है. तेलुगु बेल्ट में इसका प्री-रिलीज बिजनेस 180 करोड़ रुपये है, जबकि हिंदी बेल्ट में 85 करोड़ रुपये का है. वर्ल्ड वाइड प्री-रिलीज बिजनेस 380 करोड़ रुपये को पार कर चुका है. हिट बनने के लिए फिल्म को कुल 1000 करोड़ रुपये का बिजनेस करना होगा.

जानकारों के मुताबिक एडवांस बुकिंग्स ने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं. सिर्फ एक घंटे में बुक माय शो पर 69000 टिकट बिक गए और यह केवल साउथ बेल्ट में हुआ. नॉर्थ बेल्ट में बुकिंग्स अभी पार्शियली ओपन हुई हैं और वहां भी 35000-40000 टिकट बिक चुके हैं. इन नंबरों से यह साबित होता है कि फिल्म का पहले दिन का कलेक्शन वर्ल्ड वाइड 120 से 140 करोड़ रुपये के बीच हो सकता है. स्पेशली तेलुगु में जहां प्रभास का दबदबा है, पहले दिन का कलेक्शन 80 करोड़ रुपये को टच कर सकता है. अगर सब कुछ प्लान के तहत चला तो यह संख्या 100 करोड़ रुपये तक भी जा सकती है.

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में 'कल्की 2898 एडी' का रिस्पांस शानदार है. विदेशी टिकट सेल्स में इसने पहले ही आरआरआर के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है. फिल्म के मेकर्स ने टिकट प्राइस को भी बढ़ा दिया है, खासकर 3ष्ठ वर्जन में, जिससे फिल्म के ओपनिंग कलेक्शन को बढ़ावा मिलेगा।

तेजस्वी संग ब्रेकअप रूमर्स पर करण का आया रिएक्शन

मशहूर सेलेब्रिटी कपल करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की सबसे पसंदीदा जोड़ी हैं। अपनी लोकप्रियता और बड़े पैमाने पर फैनबेस को देखते हुए, यह जोड़ी अक्सर खबरों में रहती है। फिलहाल, उनके ब्रेकअप की अफवाहें उड़ रही हैं। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब इन अटकलों ने सुर्खियां बटोरी हों। इससे पहले भी खूबसूरत कपल के अलग होने की खबरें सामने आ चुकी हैं। अब ब्रेकअप की अफवाहों के बीच, करण कुंद्रा ने तेजस्वी प्रकाश के साथ ब्रेकअप की अफवाहों पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। आइए एक नजर डालते हैं पूरी रिपोर्ट पर।

करण कुंद्रा ने तेजस्वी प्रकाश के साथ ब्रेकअप की अफवाहों पर बात की और जोर देकर कहा कि प्रशंसकों को उनके रिश्ते के बारे में गलत धारणा नहीं बनानी चाहिए। अभिनेता ने कहा, 卐एक तो आप लोगों को लगता है कि हमारी जिंदगी में पता नहीं क्या सियापे चल रही होती है। मैं बैठ कर देख रहा हूं और इनको लगता है पता नहीं ब्रेकअप हो गया, पता नहीं क्या हुआ।卐 उन्होंने आगे मज़ाक में कहा, 卐यह बहुत बढ़िया है लेकिन लोगों को शांत होने की ज़रूरत है।

अभिनेता ने आगे कहा, 卐यह जानकर अच्छा लगा कि वे हमारे लिए प्रार्थना कर रहे हैं, हमारे लिए खुद को व्यक्त कर रहे हैं और हमें प्यार भेज रहे हैं। यह वाकई बहुत अच्छा लगता है, लेकिन मैं यह भी चाहता हूं कि उन्हें पता चले कि हमारी ज़िंदगी इतनी भी मुश्किल नहीं है। हमारे बारे में ज़्यादा चिंता न करें। मैं उनके साथ हूं।

बक्सर के विकास के लिए मैं सदैव तत्पर रहूंगा : मिथिलेश तिवारी

पर्यटन मंत्री से मिले मिथिलेश तिवारी, बक्सर को पर्यटन हब बनाने को लेकर सौंपा ज्ञापन

बक्सर (संवाददाता)। भाजपा के बक्सर लोकसभा प्रत्याशी रहे मिथिलेश तिवारी ने बिहार के पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा को बक्सर के आध्यात्मिक सांस्कृतिक पौराणिक एवं धार्मिक स्थलों को पर्यटन के क्षेत्र में विकसित करने के लिए ज्ञापन सौंपा। इस उन्होंने पर्यटन मंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि बक्सर में प्रभु श्रीराम एवं श्रीलक्ष्मण को शिक्षा देते हुए मुद्रा में महर्षि विश्वामित्र की मूर्ति की स्थापना, बक्सर जेल परिसर में स्थित वामन भगवान के मंदिर के जीर्णोद्धार के साथ साथ भगवान वामन महोत्सव की शुरुआत करने, नौ दिनों का सीताराम विवाह महोत्सव सिय पिय मिलन समारोह का पर्यटन विभाग के सहयोग से आयोजन

होना की चर्चा किया। वहीं। प्रत्येक सप्ताह के सोमवार और प्रत्येक माह के पूर्णिमा को संध्या काल में गंगा महाआरती का विभाग द्वारा विशेष आयोजन होना चाहिए। सिद्धाश्रम, वीर गर्भापुरी, व्याघ्रसर और अब बक्सर में त्रेता युग से प्रत्येक नवंबर माह में बृहद स्तर पर आयोजित होने वाले पंचकोशी मेला का आयोजन विभाग द्वारा होना चाहिए। बक्सर में स्थित माता अहिल्या स्थान का संपूर्ण विकास भी पर्यटन विभाग द्वारा किया जाना चाहिए। बाबा रामेश्वर नाथ महादेव बक्सर और बाबा बरमेश्वर नाथ महादेव ब्रह्मपुर स्थल का संपूर्ण विकास एवं श्रावण मास में सरकारी महोत्सव का आयोजन भी किया जाए।

इस दौरान बिहार प्रदेश महामंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि मेरी हार या जीत में बक्सर के विकास में कोई बाधक नहीं बन सकता है। ऐसे में बक्सर के विकास के लिए मैं सदैव तत्पर रहूंगा हालांकि पर्यटन मंत्री नीतीश मिश्रा से मिलकर बक्सर के विकास की अवधारणा को जमीन पर मूर्तरूप देने के लिए उनको ज्ञापन सौपा हैं। उनके आश्वासन के बाद बक्सर में निश्चित तौर आध्यात्मिक और धार्मिक क्षेत्र में बदलाव आएगा।

शेरशाह के 485 विजयोत्सव पर एकदिवसीय फुटबॉल मैच का आयोजन

बक्सर (संवाददाता)। शेरशाह सूरी जन कल्याण संस्थान चौसा बक्सर के बैनर तले शेरशाह के 485 विजयोत्सव के अवसर पर एकदिवसीय फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया।

फुटबॉल मैच का उद्घाटन नगरपंचायत चौसा के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी आमिर सोहैल द्वारा खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर एवं फीता काटकर उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि आमिर सोहेल कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत चौसा ने कहा कि शेरशाह का इतिहास भुलाया नहीं जा सकता है उन्होंने आगे कहा कि चौसा नगर पंचायत को सुंदर एवं स्वच्छ बनाना हमारी प्राथमिकता में शामिल है। वहीं उपस्थित पूर्व जिला पार्षद डॉक्टर मनोज कुमार यादव ने कहा कि शेरशाह का विजय दिवस और चौसा के निवासी निजाम भिश्ती का इतिहास मिटाया नहीं जा सकता। उन्होंने आगे कहा कि देश और राज्य में राजनीति करने वाले लोगों को शेरशाह के शासन व्यवस्था से सीख लेने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री से चौसा को पर्यटन स्थल का दर्जा देने की मांग की ।साथ ही उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को नौकरी में 20 प्रतिशत आरक्षण के साथ पंचायत स्तर पर खेलने के लिए स्टेडियम का निर्माण करने की भी मांग की गई। यह खेल चौसा और नावानगर के बीच खेला गया। पच्चीस पच्चीस मिनट के खेल में चौसा ने पंद्रहवे मिनट में एक गोल नावानगर में दाग कर अपनी बढ़त बना ली। इसके बाद खेल के दूसरे अंतराल में कोई गोल नही हुआ ।अन्तत: चौसा की टीम 1-0 से विजयी घोषित की गयी ।अंत मे कार्यपालक पदाधिकारी आमिर सुहैल एवं पूर्व ज़िलपार्षद डॉ मनोज कुमार यादव द्वारा संयुक्त रुप से विजेता टीम को शील्ड प्रदान किया गया ।इस मौके पर शैलेश कुशवाहा काजू मिश्रा आनंद रावत महावीर राम विजय राम शिवशंकर राम रामनरेश चौधरी पप्पू चौधरी मुन्ना चौधरी भरत पांडेय दिलबहार चौधरी मुन्ना प्रसाद पन्नालाल प्रसाद सहित हज़ारों के संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

35 वां प्रांतीय समूह खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन आज, तैयारियां पूरी

विभिन्न जिलों से पहुंचेंगे लगभग 800 खिलाड़ी

बक्सर (संवाददाता)। शहर के सरस्वती विद्या मंदिर अहिरौली के परिसर में भारती शिक्षा समिति एवं शिशु शिक्षा प्रबंध समिति बिहार पटना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय 35 वां प्रांतीय समूह खेलकूद प्रतियोगिता की तैयारी पूरी कर ली गई है। इस दौरान कबड्डी एवं खो खो की प्रतियोगिता 28 से 30 जून तक होगी। कार्यक्रम का उदघाटन शुक्रवार को शाम तीन बजे रंगारंग कार्यक्रम के साथ होगा। वही समूह खेल प्रतियोगिता को लेकर गुरुवार को विद्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्या भारती के क्षेत्रीय शारीरिक प्रमुख ब्रह्मदेव प्रसाद, विभाग प्रमुख उमाशंकर पोद्दार, बीरेंद्र कुमार, प्रांतीय खेलकूद प्रमुख राकेश पांडेय एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य रामजी प्रसाद सिन्हा

मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि खेल के महाकुंभ में राज्य के विभिन्न जिले में स्थित सरस्वती शिशु मंदिरों व विद्या मंदिरों के चयनित 800 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास को लेकर प्रतिवर्ष विद्यालय स्तर से लेकर के अखिल भारतीय स्तर तक विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन विद्या भारती के तत्वावधान में किया जाता है। खिलाड़ियों के लिए आवास एवं भोजन की व्यवस्था विद्यालय परिसर में की गई है। खेल को बेहतर तरीके से संपन्न कराने को लेकर चयनित 35 प्रांतीय निर्णायकों की टीम बनाई गई है। खेल मैदान में कबड्डी के दो और खो खो के लिए दो कोर्ट बनाए गए हैं। जहां खिलाड़ी अपने खेल का प्रदर्शन करेंगे। वही प्रधानाचार्य रामजी प्रसाद सिन्हा ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिलाधिकारी बक्सर अंशुल अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय संगठन मंत्री ख्यालीराम, प्रदेश सचिव प्रदीप कुमार कुशवाहा, विभाग संयोजक डॉ हनुमान प्रसाद अग्रवाल समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहेंगे।

खबर-खास

संयम व परहेज करके मधुमेह की बीमारी से पाएं निजात

बक्सर (संवाददाता)। विश्व मधुमेह दिवस पर गुरूवार को भोजपुरी दुलार मंच, के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रेरणा हिन्दी प्रचारिणी सभा के सलाहकार डॉ. ओमप्रकाश केसरी पवननन्दन ने समस्त मानव समाज के लिए कुछ विशेष बातों को साझा किया। बताया कि मधुमेह की बीमारी आज की तारीख में बहुत ही भयावह है। विश्व में कुल दो या तीन प्रतिशत को छोड लगभग हर व्यक्ति किसी न किसी रोग से पीड़ित है। उसमें सबसे ज्यादा लोग मधुमेह की बीमारी से पीड़ित है। दवा के साथ-साथ हम अपनी इच्छा शक्ति को मजबूत करके और कुछ संयम एवं परहेज करके मधुमेह की बीमारी से निजात पा सकते हैं।

बलुआ-जवही घाट पर नवनिर्मित सड़क का उद्घाटन

चक्की/ब्रह्मपुर(संवाददाता)। ब्रह्मपुर प्रखंड के बलुआ-जवही घाट पर नई सड़क का उद्घाटन किया गया। विधायक शम्भूनाथ सिंह यादव ने सड़क का उद्घाटन किया। उनके साथ योजना विभाग के एसडीओ भी उपस्थित थे। सड़क के निर्माण से इलाके ग्रामीण काफी खुश हैं। अब आसानी से अपने दैनिक कार्यों और जरूरतों के लिए लोग आवागमन कर सकेंगे। विधायक शम्भूनाथ सिंह यादव ने कहा कि सड़क निर्माण से न केवल आवागमन सुगम होगा। बल्कि क्षेत्र के विकास में भी यह महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

उद्घाटन के दौरान ग्रामीणों ने उत्साह और खुशी जाहिर करते हुए विधायक शम्भूनाथ सिंह यादव का आभार जताया। कहा कि यह सड़क क्षेत्र की प्रगति में मील का पत्थर साबित होगा। भविष्य में भी ऐसे विकास कार्यों के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। उद्घाटन समारोह में जवही पंचायत के मुखिया ओमप्रकाश यादव, बैरिया पंचायत के मुखिया के पुत्र सुनील यादव, राजेन्द्र यादव, हरेन्द्र यादव, पृथ्वीनाथ यादव, शिवजी यादव, बैरिया पंचायत के बीडीसी राजकुमार यादव, काशीनाथ यादव, खिलाड़ी यादव, बिधन यादव, बुधी राम यादव, रासबिहारी यादव, रामदयाल यादव, अरुण यादव, पंचायत अध्यक्ष रवि यादव, शिवानंद यादव, मनोज यादव (बेयास), बीरबल यादव, रामेश्वर यादव सहित कई अन्य सम्मानित ग्रामीण उपस्थित थे। समारोह का संचालन पंचायत अध्यक्ष रवि यादव ने किया।

शहर में प्रतिदिन नहीं होती सफाई, कचरा से आमजन परेशान

डुमरांव बक्सर (संवाददाता)। नगर का कोई ऐसा वार्ड नहीं है। जहां की नालियां कचरे और गाद से भरी न पड़ी हो। नाली जाम होने से रोड पर पानी फैलकर आवागमन को बाधित कर रहा है। शहीद पार्क जैसे स्थल के किनारे कूड़े का अंबार लगा है। आसपास के लोगों का कहना था कि प्रतिदिन सफाई करने वाला नहीं आता है। जिससे कूड़े का अंबार लग गया है। कूड़े से प्रदूषण फैलने के कारण आसपास के दुकानदारों में संक्रमित होने का डर बना हुआ है।

इसी तरह गोला रोड, चौक रोड, जंगल बाजार रोड, ठठेरी बाजार रोड, लाला टोली रोड ऐसी मुख्य सड़के हैं, जो घनी आबादी से होकर गुजरते हैं। इन सड़क किनारे कचरा पड़ा रहता है। इस संबंध में ईओ अनिरूद्ध प्रसाद व चेयरमैन सुनीता गुप्ता का कहना है कि सारे सिस्टम को सुधारा जा रहा है। जल्द शहर चकाचक दिखेगा। बता दें कि नगर की सफाई व्यवस्था के लिए प्रतिवर्ष रेट बढ़ाया जाता है। लेकिन, कोई सुधार नहीं हो रहा है। सफाईकर्मी वार्ड पार्षदों की बातों को नहीं मानते हैं। डुमरांव सहित विस्तारित क्षेत्र नया भोजपुर व पुराना भोजपुर का यही हाल है। नप की मनमानी को लेकर 21 वार्ड पार्षदों ने अलग से मोर्चा खोल रखा है। इसकी अगुआई उप मुख्य पार्षद विकास ठाकुर कर रहे हैं।

मोबाइल लोक अदालत में 354 मामलों का हुआ निपटारा

बक्सर (संवाददाता)। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर जिले में चल रहे चलंत मोबाइल लोक अदालत का गुरूवार को डुमरांव प्रखंड में आयोजन किया गया। जिसमे नावानगर, चौगाईं, केसठ और डुमरांव प्रखंड के वादों का चलंत लोक अदालत के सदस्यों ने समझौता कराया। इस मौके पर डुमरांव प्रखंड में दाखिल खारिज के 10, नावानगर के 08, केसठ के 06 और डुमरांव अनुमंडल न्यायालय की धारा 107 के 321 वाद, नावानगर अंचल के नीलाम पत्र वाद के 09 सहित कुल 354 वादों का निष्पादन सुलह के आधार पर किया गया। मौके पर डुमरांव प्रखंड संसाधन केंद्र में एक विधिक जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व प्रधान न्यायाधीश, सह न्यायिक पदाधिकारी बलराम सिंह ने कहा कि वर्ष 1976 में 42 वें संशोधन के द्वारा भारत के संविधान में अनुच?छेद 39 क जोड़ा गया। जिसके द्वारा शासन से अपेक्षा की गई कि वह यह सुनिश्चित करें कि भारत का कोई भी नागरिक आर्थिक या किसी अन-?य अक्षमताओं के कारण -?याय पाने से वंचित न रहे। पैनल अधिवक्ता मनोज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आगामी चलंत लोक अदालत का आयोजन ब्रह्मपुर, सिमरी एवं चक्की प्रखंड में किया जाएगा। जिसमें बिजली संबंधित, मोटर वाहन दुर्घटना, बैंक ऋण आदि मामले सुलह के आधार पर निष्पादित किए जाएंगे।

अधिक से अधिक लोगों को सरकार की योजनाओं का लाभ दें

बक्सर (संवाददाता)। उद्योग विभाग द्वारा संचालित पीएमईजीपी व पीएमईजीपी टू के साथ पीएमएफएमई योजना अन्तर्गत ऋण स्वीकृति व वितरण कैम्प का गुरुवार को आयोजन किया गया। समाहरणालय परिसर के सभाकक्ष में आयोजित कैम्प की अध्यक्षता डीएम अंशुल अग्रवाल ने की। डीएम द्वारा बताया गया कि अधिकारी व बैंकर्स यह सुनिश्चित करें कि अधिक से अधिक लोगों को सरकार की इन योजनाओं का लाभ प्राप्त हो, ताकि रोजगार सृजन के साथ-साथ लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकें। डीएम ने भावी उद्यमियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उनसे अनुरोध किया की अपने साथ अन्य लोगों के लिए रोजगार अवसर सृजित करें जिससे वे जिला एवं राज्य के आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति के साझेदार बन सकें।

उन्होंने कहा कि वर्त्तमान समय में शहरी क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी उद्योगों की स्थापना हो रही है। बक्सर जिला अन्तर्राज्यीय सीमा पर अवस्थित है और सड़क एवं रेल नेटवर्क से जुड़ा है। फलस्वरुप यहां के उद्योगों के लिए बड़ा बाजार उपलब्ध है। बताया कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम अन्तर्गत सेवा क्षेत्र में अधिकतम 20 लाख एवं विनिर्माण क्षेत्र में अधिकतम 50 लाख ऋण उपलब्ध कराया जाता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक मतिउर्रहमान द्वारा अजीमाबाद प्रिंटर्स, आर. सी. एफ./105, ग्राउण्ड फ्लोर, बी. एच. कॉलोनी, भूतनाथ रोड, कंकड़बाग, पटना- 800026 बिहार से मुद्रित एवं अमला टोली, मेन रोड़, बक्सर -802101, बिहार से प्रकाशित, संपादक- मतिउर्रहमान, E-mail:- qalamlok@gmail.com, Regn. No. BIHHIN/2017/72480